राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 07 अगस्त 2023 वर्ष-6,अंक-197 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केन-बेतवा लिंक परियोजना का कार्य जल्द ही होगा शुरू- शिवराज

छतरपुर। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि केन-बेतवा लिंक परियोजना का कार्य जल्द ही शुरू होगा, जिससे किसानों के खेतों को पानी मिलेगा और छतरपुर (नौगाँव) जिले में समृद्धि आएगी। चौहान ने जिले के नौगाँव में रोड-शो के बाद कल 431 करोड़ 57 लाख रुपये के 20 कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन समारोह में जनता को संबोधित किया। समारोह में 353 करोड़ 24 लाख रुपये के 11 कार्यों का लोकार्पण और 78 करोड़ 33 लाख रुपये के 9 कार्यों का भूमि-पूजन किया गया। समारोह में केन्द्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ वीरेन्द्र कुमार, विधायक प्रद्युम्न सिंह लोधी, राजेश प्रजापति, राजेश शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष विद्या अग्निहोत्री, पूर्व मंत्री ललिता यादव, नगरपालिका अध्यक्ष अनूप तिवारी, मलखान सिंह, पुष्पेन्द्र प्रताप सिंह सहित अधिकारी-कर्मचारी और गणमान्य नागरिक शामिल थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं का बेहतर भविष्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना 13 अगस्त से शुरू की जा रही है। योजना के हितग्राहियों को सीखने के दौरान प्रतिमाह 8 से 10 हजार रुपये स्पाईपेंड भी मिलेगा। युवाओं के लिए सरकारी पदों पर एक लाख पदों की भर्ती प्रक्रिया जारी है और इसके बाद 50 हजार और पदों पर भर्ती होगी। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में माँ-बहन-बेटी के सम्मान में कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। प्रदेश में महिलाओं के सशक्तिकरण और सम्मान के लिए अनेक योजनाओं संचालित की जा रही हैं। चौहान ने कहा कि लाड़ली बहना योजना में वर्तमान में दी जा रही 1000 रूपये की राशि को बढ़ाकर 3000 रूपये तक किया जाएगा। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की अगली किश्त की राशि 10 अगस्त को रीवा से बहनों के खाते में राशि डाली जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि लाड़ली लक्ष्मी योजना से बेटियों के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच आयी है। स्थानीय निकायों के निर्वाचन में 50 प्रतिशत आरक्षण के साथ ही पुलिस, शिक्षक एवं अन्य नौकरियों में भी महिलाओं को आरक्षण दिया जा रहा है। इससे महिलाओं का आत्म-विश्वास ही नहीं बढ़ा है, बल्कि उनकी हर जगह भागीदारी बढ़ी है। उन्होंने कहा कि लाड़ली बहना योजना के दूसरे चरण में अब 21-23 साल की बहनों और ट्रेक्टरधारी परिवार की बहनों को योजना का लाभ दिया जाएगा।

शरद पवार को लग सकता है एक और झटका, जयंत पाटिल के अजित गुट में शामिल होने की अटकलें

अजित पवार ने विद्रोह के बाद एनसीपी के नाम के साथ-साथ चुनाव चिह्न पर भी दावा ठोका है। विधायक दल पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने के लिए विधायक दल के नेता का पद महत्वपूर्ण हो गया है।

मुंबई। अजित पवार ने करीब एक महीना पहले राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी से बगावत कर महाराष्ट्र की भाजपा और शिंदे नीत शिवसेना गठबंधन में शामिल हो गए। उनके साथ आठ विधायकों को भी मंत्री बनाया गया। अब सियासी गलियारे में इस बात की भी चर्चा है कि जल्द ही महाराष्ट्र के एनसीपी अध्यक्ष जयंत पाटिल भी जूनियर पवार के कैंप में शामिल हो सकते हैं। सूत्रों ने कहा है कि पाटिल ने अजीत पवार और देवेंद्र फडणवीस के साथ इस विषय पर कई बैठकें की हैं। हालांकि, पाटिल ने कहा कि फिलहाल वह ऐसा कोई कदम उठाने नहीं जा रहे हैं। अजित पवार ने विद्रोह के बाद एनसीपी के नाम के साथ-साथ चुनाव चिह्न पर भी दावा ठोका है। विधायक दल पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने के लिए विधायक दल के नेता का पद महत्वपूर्ण हो गया है। जयंत पाटिल पहले ही स्पीकर राहुल नार्वेकर को पत्र लिखकर अजित पवार और आठ अन्य विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग कर चुके हैं।

अयोग्य ठहराए जाने का खतरा के कारण एनसीपी के अधिकांश विधायकों ने एनसीपी के किसी भी गुट के प्रति वफादारी का प्रदर्शन करने से बचते जर आ रहे हैं। उन्होंने पूरे मॉनसून सत्र के दौरान सदन में उपस्थित नहीं होने का फैसला किया। सत्तारूढ़ सरकार में पाटिल का शामिल होना न केवल यह पुष्टि करने के लिए महत्वपूर्ण है कि अधिकांश एनसीपी विधायकों का समर्थन अजीत पवार को प्राब्त है, बल्कि पार्टी पर दावा करने के लिए भी यह महत्वपूर्ण है।

पाटिल ने अजीत पवार और देवेंद्र फडणवीस के साथ इस विषय पर कई बैठकें की हैं। हालांकि, पाटिल ने कहा कि फिलहाल वह ऐसा कोई कदम उठाने नहीं जा रहे हैं। अजित पवार ने विद्रोह के बाद एनसीपी के नाम के साथ-साथ चुनाव चिह्न पर भी दावा ठोका है। विधायक दल पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने के लिए विधायक दल के नेता का पद महत्वपूर्ण हो गया है। जयंत पाटिल पहले ही स्पीकर राहुल नार्वेकर को पत्र लिखकर अजित पवार और आठ अन्य विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग कर चुके हैं।

इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि जयंत पाटिल को अजीत पवार और फडणवीस के साथ बैठक के लिए बुलाया गया था। उन्हें आगामी कैबिनेट विस्तार में वर्तमान सरकार में मंत्री पद की पेशकश की गई। विधानसभा सत्र के दौरान अजित पवार ने हल्के-फुल्के अंदाज में जयंत पाटिल पर ताना भी मारा।

जयंत पाटिल ने हालांकि कहा है कि शरद पवार का साथ छोड़ने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा, हम एक-दूसरे को वर्षों से जानते हैं और दोस्ताना बातचीत होना स्वाभाविक है, जो भविष्य में भी जारी रह सकता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैं कहीं जा रहा हूं। एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष ने सरकार में शामिल होने को लेकर उनके और सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्यों के बीच कथित बैठकों पर कोई टिप्पणी नहीं की।

दिलचस्प बात यह है कि अजित पवार ने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में जयंत पाटिल के पांच साल से अधिक के कार्यकाल को अपने चाचा से अलग होने के लिए बहाने के तौर पर इस्तेमाल किया था। दोनों नेताओं को पार्टी के भीतर प्रतिस्पर्धी के तौर पर देखा जाता रहा है। बगावत के बाद से ही जयंत पाटिल शरद पवार के साथ बने हुए हैं।

कश्मीर के लोगों को मनमर्जी से जीने का हक मिला : सिन्हा

श्रीनगर। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा का मानना है कि संविधान के अनुच्छेद 370 एवं 35 ए के निष्प्रभावी होने के बाद से अब तक घाटी के आम लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव आया है तथा उन्हें हर तरह के खौफ और दबाव से आजाद होकर अपनी मनमर्जी से जीने से हक मिला है।

श्री सिन्हा ने संविधान के अनुच्छेद 370 एवं 35 ए के निष्प्रभावी होने की तीसरी वर्षगांठ और उनके कार्यकाल के तीन साल पूरे होने के मौके पर कल देर शाम राष्ट्रीय मीडिया के कुछ प्रमुख पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जम्मू कश्मीर खास तौर पर कश्मीर घाटी के लोगों के जीवन में एक बड़ा बदलाव आया है। सड़कों पर होने वाली हिंसा पूरी तरह से समाप्त हो गई है। पहले साल के 150 से अधिक दिन बंद आयोजित होते थे। आतंकवादी एवं अलगाववादी संगठनों के इशारे पर होने वाले बंद से संस्थान, कारोबार, बसें, यातायात आदि ठप्प रहता था। अंधेरा होने से पहले घर पहुंचना होता था। लेकिन अब वह इतिहास की बात हो चुकी है।

उन्होंने कहा कि आज लोग देर रात तक डल झील और झेलम नदी के किनारे आइसक्रीम खाते हुए और गिटार बजाते नज़र आते हैं। उनमें अब कोई खौफ नहीं है। आम लोगों को अपनी मनमर्जी से जीने का हक मिला है और अब यहां किसी का डिक्टेट नहीं चलता है। उपराज्यपाल ने कहा कि इस साल मुहर्रम का जुलूस 34 साल बाद निकाला गया और शांतिपूर्वक ढंग से संपन्न हुआ। उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसी भी धार्मिक आयोजन अथवा यात्रा शांति पूर्ण ढंग से करने की पूरी अनुमति है। पर भारत की एकता और अखंडता से किसी भी तरह से समझौता नहीं किया जाएगा। घाटी में लक्षित हिंसा की घटनाओं के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं छिटपुट ही हुई हैं। लेकिन लोगों की अपेक्षा है कि नरेंद्र मोदी के शासन में एक भी घटना नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि नियंत्रण रेखा पर संघर्ष विराम लागू है। प्रदेश में 360 डिग्री की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। पहले घाटी में शांति खरीदी जाती थी और अब शांति स्थापित की जा रही है। आतंकवाद के पूरे पारिस्थितिकीय तंत्र को नेस्तनाबूद कर दिया गया है।

सिन्हा ने जनता से अपील की है कि वे आतंकवाद के ध्वंसावशेष को समाज से दूर कर दें। सुरक्षा बल उन्हें उनके गंतव्य तक पहुंचा देंगे।

नहीं देंगे तहखाने की चाबियां, ज्ञानवापी सर्वे में मुस्लिम पक्ष की जिद के बाद नया विवाद

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में स्थित ज्ञानवापी परिसर में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने आज तीसरे दिन वैज्ञानिक सर्वेक्षण का काम शुरू कर दिया है। संभावना है कि सर्वे टीम आज तहखाने में जाकर सर्वे करेगी। इसबीच, मुस्लिम पक्ष ने तहखाने की चाबियां सर्वे टीम को सौंपने से इनकार किया है और कहा है कि जो भी कमरा देखना है, उसे खोल दिया जाएगा। इससे नया विवाद खड़ा हो गया है। सामना के मुताबिक, मुस्लिम पक्षकारों के वकील मुमताज अहमद ने कहा कि हम सर्वे में पूरा सहयोग कर रहे हैं लेकिन हम उन्हें बेसमेंट (तहखाने) की चाबी नहीं देंगे। बतौर अहमद, टीम जिस भी दरवाजे को खोलने कहेगी, उसे खोल देंगे। अहमद ने बताया कि मस्जिद के ऊपरी हिस्से में अभी भी सर्वे जारी है। शनिवार को भी तहखाने का सर्वे शुरू नहीं हो सका था, क्योंकि मुस्लिम पक्ष ने तहखाना का ताला खोलने या चाबी देने से इनकार कर दिया था। उनके मुताबिक, तहखाना में कूड़ा और मिट्टी जमा होने के कारण अभी तक उसका सर्वे शुरू नहीं किया जा सका है। इसलिए तहखाने को खोलकर सफाई कराई जाएगी। इधर, सरकारी वकील राजेश मिश्रा ने कहा है कि रविवार को तहखाने का सर्वे किया जाएगा। शनिवार को हिंदू चिन्ह और प्रतीक

मिलने का दावा हिंदू पक्ष के वकील अनुपम द्विवेदी ने किया। टीम ने जीएनएसएस मशीन से तहखाने का थ्री-डी इमेज तैयार किया है। यह मशीन सेटेलाइट की मदद से संचालित होती है। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता ने बताया कि सर्वे की टीम मस्जिद परिसर के केंद्रीय गुंबद के हाल में जहां नमाज पढ़ी जाती है, उसका सर्वे किया गया और उस जगह की फोटोग्राफी और मैपिंग की गयी। उन्होंने बताया कि ज्ञानवापी मस्जिद परिसर में सर्वे टीम ने व्यास परिवार के कब्जे वाले तहखाने का भी सर्वे किया, लेकिन मुस्लिम पक्ष के कब?जे वाले दूसरे तहखाने में सर्वेक्षण की टीम अभी पहुंच नहीं पाई है। उन्होंने बताया कि ज्ञानवापी परिसर में कुल चार तहखाने हैं, जिसमें से एक व्यास परिवार के कब्जे में है और दूसरा मुस्लिम पक्ष के कब्जे में है। बाकी दो तहखानों में मलबा भरा हुआ है। शनिवार को दिन भर हुए सर्वे के दौरान दोनों पक्षों के वकील सर्वे टीम के साथ थे। हालांकि, शुक्रवार को हुए सर्वे कार्य में मुस्लिम पक्ष शामिल नहीं हुआ था। रविवार को सुबह से शाम पांच बजे तक सर्वे होगा। हिन्दू पक्ष की एक वादी सीता साहू ने परिसर से बाहर आ कर बताया कि ज्ञानवापी परिसर के पश्चिमी दीवार पर आधी पशु और आधी देवता की मूर्ति दिखी। तहखाने में भी टूटी-फूटी मूर्तियां और खम्भे पड़े दिखे। इस बीच, मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता तौहीद खान ने बताया कि शनिवार को जारी सर्वे कार्य के दौरान अधिवक्ता अखलाक और मुमताज सहित मुस्लिम पक्ष के पांच लोग एएसआई टीम के साथ मौजूद हैं।

गोदावरी जिले में बड़ा सड़क हादसा, नहर में कार गिरने से तीन छात्रों की मौत; कई घायल

नई दिल्ली। रविवार तड़के आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले में एक कार दुर्घटनाग्रस्त होने से बड़ा हादसा हो गया। पुलिस ने कहा कि इस हादसे में तीन कॉलेज छात्रों की मौत हो गई।

घूमने के लिए निकले थे 10 छात्र

पुलिस ने बताया कि ऐसा संदेह है कि कार तेज गति से चलाई जा रही थी। पुलिस के अनुसार, पास के एलुरु जिले के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ने वाले 10 छात्रों के एक समूह ने शनिवार की रात पूर्वी गोदावरी जिले के झरने और समृद्ध जैव विविधता वाले प्रकृति केंद्र मारेडूमिली की सैर करने निकला था।

हादसे में तीन छात्रों की मौत

पुलिस ने बताया कि शनिवार आधी रात को उनकी कार सड़क से उतर गई और पूर्वी गोदावरी जिले के बुरुगुपुडी गेट पर एक नहर में गिर गई। मृतकों की पहचान हर्षवर्धन, हेमंत और उदय किरण के रूप में की गई, जबकि वाहन में सवार बाकी लोग घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है और मामले की जांच की जा

रही है।

बस खाई में गिरने से बड़ा हादसा

झारखंड के गिरिडीह में एक बस अनियंत्रित होकर नदी में गिर गई। इस हादसे में छह लोगों की मौत की सूचना है, वहीं कई लोग घायल हैं। पुलिस ने बताया कि जिस दौरान यह हादसा हुआ, उस समय बस में करीब 30 लोग सवार थे। बस अनियंत्रित होकर सड़क पर बने डिवाइडर को तोड़ते हुए लगभग 30 फीट नीचे नदी में जा गिरी।

राहुल गांधी की कब होगी लोकसभा में वापसी?

- कोर्ट के आदेश की प्रति मिलने के बाद ही लोकसभा सचिवालय निलंबन रद्द करने पर विचार करेगा। लोकसभा के एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने का अनुरोध करते हुए कहा किआदेश का अध्ययन किया जाएगा और निर्णय लिया जाएगा।

नई दिल्ली। मोदी सरनेम केस में निचली अदालत द्वारा सुनाई गई सजा पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाने के बाद हर किसी के मन में एक ही सवाल गूंज रहा है कि आखिर राहुल गांधी की सदस्यता कब बहाल होगी। वह संसद में कब आएंगे? इस मामले से जुड़े दो अधिकारियों ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार तक संसद में लौटने के पात्र हैं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को आपराधिक मानहानि मामले में उनकी सजा पर रोक लगा दी है। इससे सदन में उनकी सदस्यता बहाल का मार्ग प्रशस्त कर दिया। अधिकारियों ने कहा कि लोकसभा सचिवालय को पहले एक नोटिस जारी करना होगा जिसमें कहा जाएगा कि अदालत के फैसले के बाद राहुल गांधी का निलंबन हटा दिया गया है। कोर्ट के आदेश की प्रति मिलने के बाद ही लोकसभा सचिवालय

निलंबन रद्द करने पर विचार करेगा। लोकसभा के एक अधिकारी ने नाम नहीं छापने का अनुरोध करते हुए कहा किआदेश का अध्ययन किया जाएगा और फिर निर्णय लिया जाएगा। इस बात की संभावना है कि राहुल गांधी लोकसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास पर मंगलवार को शुरू होने वाली दो दिवसीय बहस से एक दिन पहले संसद में लौट सकते हैं। इसके बाद गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जवाब होगा। इस प्रस्ताव से सरकार को कोई खतरा नहीं है। विपक्ष ने कहा है कि वह मणिपुर में जारी हिंसा पर सरकार को घेरने की कोशिश के लिए बहस का इस्तेमाल करना चाहता है। आपको बता दें कि इससे पहले 20 जुलाई 2018 को मोदी सरकार के खिलाफ पहला अविश्वास प्रस्ताव गिर गया था। उस प्रस्ताव पर बहस के दौरान राहुल गांधी सत्ता पक्ष की ओर बढ़े और पीएम मोदी को गले लगाया। राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाते हुए न्यायमूर्ति बीआर गवई और पीएस नरसिम्हा की पीठ ने कहा कि राहुल गांधी को उनकी सार्वजनिक प्रतिष्ठा को ध्यान में रखते हुए टिप्पणी करने में अधिक सावधान रहना चाहिए था। जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत उन्हें केवल दो साल की जेल की सजा के कारण सांसद के रूप में अयोग्य ठहराया गया था। सजा एक दिन भी कम होने पर उनकी सदस्यता बच जाती। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि राहुल गांधी की सजा पर रोक तब तक लागू रहेगी जब तक कि गुजरात सेशन कोर्ट में उनकी अपील लंबित है।

बुधवार को एक हलफनामे में राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वह 2019 में एक चुनावी रैली में अपनी टिप्पणी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के पूर्णेश मोदी द्वारा उनके खिलाफ दायर आपराधिक मानहानि मामले को खत्म करने के लिए माफी नहीं मांगेंगे। उन्होंने कहा कि उनकी सजा टिकाऊ नहीं है। इस सजा पर रोक के साथ राहुल गांधी को अगले साल होने वाले लोकसभा लड़ने की भी अनुमति मिल जाएगी।

औसतन हर साल दो जज दे रहे इस्तीफा, जानें- किस बात से सबसे ज्यादा खफा 'मी लॉर्ड'

नई दिल्ली। पिछले दिनों बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर खंडपीठ के न्यायाधीश जस्टिस रोहित बी देव ने ओपन कोर्ट में कथित तौर पर यह कहते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया कि वह आत्मसम्मान से समझौता नहीं कर सकते। जस्टिस देव को जून 2017 में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया था, जब वह महाराष्ट्र के महाधिवक्ता थे। अप्रैल 2019 में उन्हें स्थायी न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। वह 4 दिसंबर, 2025 को सेवानिवृत्त होने वाले थे। हालांकि, जस्टिस देव ऐसे पहले जज नहीं हैं, जिन्होंने रिटायरमेंट से पहले ही पद छोड़ा है। आंकड़ों पर गौर करें तो पाते हैं कि वर्ष 2017 के बाद से विभिन्न हाई कोर्ट्स के कम से कम 12 जजों ने अपने पदों से इस्तीफा दिया है। यानी औसतन हर साल दो जज ने इस्तीफा दिया है। बार एंड बेंच की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट सबसे आगे हैं, जहां सबसे ज्यादा जजों ने इस्तीफा दिया है। यदि अतिरिक्त न्यायाधीशों के इस्तीफों को शामिल कर लिया जाए तो यह संख्या 16 हो जाती है। जजों के पद छोड़ने या इस्तीफा देने के कारणों में अधिकांश ने इसे स्वैच्छिक और व्यक्तिगत कारण बताए हैं, जबकि उनमें से कुछ ने सेवा से संबंधित परिस्थितियों को कारण बताया है। कुछ जजों के कारणों में तबादला या मुख्य न्यायाधीश के रूप में पदोन्नति से इनकार शामिल है।

2017 से अब तक इन जजों ने दिया इस्तीफा

जस्टिस जयंत पटेल (2017);
जस्टिस नक्का बालयोगी (2018);
जस्टिस वी ताहिलरमानी (2019);

जस्टिस अनंत बिजय सिंह (2020);
जस्टिस एससी धर्माधिकारी (2020);
जस्टिस संगीता ढींगरा सहगल (2020);
जस्टिस सुनील कुमार अवस्थी (2021);
जस्टिस शरद कुमार गुप्ता (2021);
जस्टिस दामा शेषाद्रि नायडू (2021);
जस्टिस अजय तिवारी (2022);
जस्टिस चंद्र भूषण बारोवालिया (2022);
जस्टिस रोहित बी देव (2023)

हालिया इस्तीफा देने वाले अंतिम जज जस्टिस रोहित देव हैं, जिन्होंने शुक्रवार सुबह खुली अदालत में अपने इस्तीफे की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह 'व्यक्तिगत कारणों' से पद छोड़ रहे हैं। हालाँकि, ऐसी अटकलें हैं कि उन्होंने स्थानांतरण की संभावना के कारण इस्तीफा दिया है। वह अपने मूल उच्च न्यायालय को नहीं छोड़ना चाहते थे। जस्टिस जयंत पटेल ने चीफ जस्टिस न बनाकर दूसरे हाईकोर्ट में भेजे जाने से खफा होकर 2017 में इस्तीफा दे दिया था। तब वह कर्नाटक हाई कोर्ट में तैनात थे। वह मूलतः गुजरात हाईकोर्ट से थे। 2018 में हैदराबाद हाई कोर्ट के जस्टिस नक्का बालयोगी ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया थाष राष्ट्रपति ने उसे स्वीकार भी कर लिया था लेकिन इस्तीफा प्रभावी होने की तारीख से पहले उन्होंने अपना इस्तीफा वापस ले लिया था। इस्तीफा देने वालों में दो महिला जज भी शामिल हैं। जस्टिस वी ताहिलरमानी ने 2018 में मद्रास हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस बनाई गई थीं। 11 महीने बाद ही उनका तबादला मेघालय कर दिया गया था, इससे नाराज होकर उन्होंने इस्तीफा दे दिया था। बाद में देश की चीफ जस्टिस ने उनके खिलाफ सीबीआई जांच के आदेश दिए थे। एक अन्य महिला जज जस्टिस संगीता ढींगरा सहगल ने अपने रिटायरमेंट से एक महीने पहले ही मई 2020 में इस्तीफा दे दिया था। तब वह दिल्ली हाई कोर्ट में तैनात थीं।

संपादकीय

फर्जी विश्वविद्यालय

यह हमारे तंत्र की विफलता ही कही जायेगी कि देश में युवाओं की जरूरत के अनुरूप विश्वविद्यालयों का अभाव ही रहा है। जो सरकारी विश्वविद्यालय व संस्थान देश में मौजूद हैं भी, वे समय की जरूरतों के साथ कदमताल नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि सुनहरे भविष्य की आकांक्षाओं के लिये छात्र निजी विश्वविद्यालयों की ओर उन्मुख हो रहे हैं। जहां अधिक फीस के बावजूद छात्र दाखिला लेते हैं कि उनका भविष्य सुधर सके। यह विडंबना है कि देश की गाल बजाते राजनेताओं ने कभी नहीं सोचा कि दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं के इस देश में शिक्षा पर अपेक्षित खर्च बढ़ाने की जरूरत है। जब हम दावा करें कि ये ज्ञान की सदी है तो हमारी कोशिश भी होनी चाहिए कि हर आम छात्र के लिये ज्ञान पाने के अवसर सहज-सरल ढंग से उपलब्ध हों। क्या भारत ऐसी शिक्षा व्यवस्था के बूते विश्व गुरु बनने का सपना देख सकता है? पिछले दिनों विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने बीस फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की है। साथ ही चेताया है कि इन विश्वविद्यालयों की डिग्री कहीं भी मान्य नहीं होगी। लेकिन सवाल यह है कि यह निर्णय लेने में इतनी देरी क्यों होती है? ये विश्वविद्यालय रातों-रात तो बन नहीं जाते। हजारों छात्र ऐसे होंगे जिन्होंने इन विश्वविद्यालयों में सालों पढ़ाई की होगी। भ्रामक विज्ञापनों व धनबल के आधार पर ऐसा माहौल तैयार किया जाता है कि यही विश्वविद्यालय सपनों का रास्ता है। क्या देश के सत्ताधीशों को नजर नहीं आता कि फलां विश्वविद्यालय कानूनी अर्हताएं पूरी नहीं करता। विडंबना देखिये कि हाल में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने जिन बीस विश्वविद्यालयों को जाली घोषित किया है उनमें से आठ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में ही हैं, जहां देश के शिक्षा से जुड़े तमाम नियामक संस्थान स्थित हैं। आखिर वहां कैसे लंबे समय से कथित फर्जी विश्वविद्यालय चल रहे थे? सवाल यह भी कि उन छात्रों की क्षतिपूर्ति कैसे होगी, जिन्होंने इन विश्वविद्यालयों से डिग्री हासिल की है? निस्संदेह, आज शिक्षा के मंदिर व्यापार का केंद्र बन गये हैं। मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय का दर्जा हासिल करके तमाम ऐसे शिक्षण संस्थान देश में खुल रहे हैं। ऐसा लगता है कि देश में डीम्ड यूनिवर्सिटियों का सैलाब-सा आ गया है। विभिन्न धंधों से पैसा कमा कर नये-नये अमीर बने बहुधंधी लोग अब विश्वविद्यालय खोलकर समाज में प्रतिष्ठा हासिल करने का खेल कर रहे हैं। सीमित संसाधनों वाले लोगों के बच्चे बेहतर भविष्य की आस में इन विश्वविद्यालयों में दाखिला लेते हैं। ऐसे में इन संस्थानों को फर्जी घोषित करने के बाद इन छात्रों व इनके अभिभावकों पर क्या गुजरेगी, कल्पना करना कठिन नहीं है। ये छात्र इन डिग्रियों के आधार पर न तो आगे पढ़ सकते हैं और न ही नौकरी के लिये आवेदन कर सकते हैं। आखिर व्यवस्था की चूक का खमियाजा ये छात्र क्यों भुगतने को अभिशप्त हैं? आखिर उनके पैसे और अमूल्य समय की पूर्ति कौन करेगा? एक बार तो यूजीसी ने सौ से अधिक विश्वविद्यालयों को फर्जी घोषित किया था। लेकिन उसके बावजूद नये फर्जी विश्वविद्यालय सामने आ रहे हैं तो नियामक व निगरानी तंत्र क्या कर रहा था? क्यों हजारों छात्रों के भविष्य पर संकट के बादल मंडराने के हालात पैदा होने दिये गये? क्यों सरकारें जनभागीदारी के साथ नये सरकारी स्कूल खोलने के प्रयास नहीं करतीं ताकि हजारों छात्र फर्जी विश्वविद्यालयों की चपेट में न आएं। यदि सरकार के पास पर्याप्त संसाधन उपलब्ध नहीं हैं तो उसे पत्राचार के जरिये भरोसेमंद शिक्षा को विस्तार देने के विकल्प को भी बढ़ावा देना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।

मिथुन बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

तुला व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।

वृश्चिक आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

धनु गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मकर जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मीन व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

ड्रग कनेक्शन भी है मणिपुर संकट का

मधुरेन्द्र सिन्हा

दूर-दराज के इलाकों में अफीम के खेत लहलहाने लगे। पहले तो सरकारें देखकर इसे अनदेखा कर देती थीं लेकिन बीरेन सिंह की भाजपा सरकार ने इस पर निशाना साधा। उस समय यह पता चला कि कुल 15,400 एकड़ भूमि में अफीम की खेती होती है। यह अफीम हेरोइन बनाने के काम में आता है और वहां कुछ इलाकों में बनाया भी जाता है। इसके अलावा उपयुक्त ज़मीन के कारण मणिपुर में बढ़िया क्वालिटी का अफीम पैदा होता है। यहां अफीम की खेती अन्य अनाजों या सब्जियों की तुलना में आसानी से होती है और उससे भी बड़ी बात यह है कि इसकी फसल साल में दो बार होती है।

जहां पंजाब में ड्रग की समस्या दो-तीन दशक पुरानी है, वहीं मणिपुर में इसका इतिहास बेहद पुराना है। तीन देशों चीन, बांग्लादेश और म्यांमार की सीमाएं इससे लगती हैं। इसमें म्यांमार ऐसा देश है जो अफीम की खेती और उसकी तस्करी के लिए बदनाम रहा है। यह उस कुख्यात ड्रग तस्करी क्षेत्र का हिस्सा है जिसे अंतर्राष्ट्रीय जगत में गोल्डन ट्रायंगल कहा जाता है। इसमें लाओस, थाईलैंड और म्यांमार तीन देश शामिल हैं। इसका इतिहास बहुत पुराना है। दो नदियों रूआक और मेकॉन्ग के संगम के बीच के दस लाख वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ यह इलाका दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा अफीम उत्पादक क्षेत्र है। यहां से अफीम तस्करी के जरिये पहले चीन में भी पहुंचाई जाती थी लेकिन कम्युनिस्टों के सत्ता पर काबिज होने के बाद से उसकी तस्करी उस देश में कम हो गई। लेकिन भारत, बांग्लादेश और थाईलैंड में बाकायदा इसकी सप्लाई होती रही। साठ के दशक में तो वियतनाम युद्ध के दौरान तस्करी से वहां पहुंचा हुआ अफीम अमेरिकी सैनिकों में बेहद पॉपुलर हो गया था। इतना ही नहीं, अफीम और हेरोइन भी वहां अमेरिकी युद्धक विमानों में, जो युद्ध का सामान ट्रांसपोर्ट करते थे, भरकर कैलिफोर्निया भेजा जाने लगा। इससे तस्करों के वारे-न्यारे हो गये। इस खेल में कई बड़े-बड़े गैंग सक्रिय हो गये और डॉलर बरसने लगे। लेकिन वियतनाम युद्ध खत्म होते ही यह धंधा चौपट हो गया। कालांतर में तस्करों ने भारत की ओर ध्यान लगाया। बड़े पैमाने पर अफीम भारत आने लगी। यह इलाका बेहद दुर्गम है, इसके बावजूद तस्कर उधर से आसानी से आने लगे। लेकिन बाद में मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में अफीम की खेती होने लगी। दूर-दराज के इलाकों में अफीम के खेत लहलहाने लगे। पहले तो सरकारें देखकर इसे अनदेखा कर देती थीं लेकिन बीरेन सिंह की भाजपा सरकार ने इस पर निशाना साधा। उस समय यह पता चला कि कुल 15,400 एकड़ भूमि में अफीम की खेती होती है। यह अफीम हेरोइन बनाने के काम में आता है और वहां कुछ इलाकों में बनाया भी जाता है। इसके अलावा उपयुक्त ज़मीन के कारण मणिपुर में बढ़िया क्वालिटी का अफीम पैदा होता है। यहां अफीम की खेती अन्य अनाजों या सब्जियों की तुलना में आसानी से होती है और उससे भी बड़ी बात यह है कि इसकी फसल साल में दो बार होती है। दरअसल, इस बार जब फसल कटने का समय आया तो नारकोटिक्स विरोधी एजेंसियों ने फसलें नष्ट करनी शुरू कर दीं जिससे हजारों एकड़ में लगी फसल बर्बाद हो गई। जिसका गुस्सा इस जातीय हिंसा में देखने को मिला। मणिपुर में नारकोटिक्स विरोधी एजेंसियों ने हजारों एकड़ में लगी अफीम की फसल को जलाना शुरू कर दिया, इससे स्थानीय लोगों में सरकार के खिलाफ काफी रोष पैदा हो गया। बाद में चलकर जातीय हिंसा का यह एक बड़ा कारण भी बना और मैतेई-कुकी तथा अवैध रूप से बसे मुस्लिमों के बीच दंगों का भी। वहां हालत ऐसी हो गई है कि सरकार को दो-दो मोर्चों पर जूझना पड़ रहा है। एक ओर तो सरकारी अमला अवैध अफीम की खेती को नष्ट करता फिर रहा है तो दूसरी ओर म्यांमार से बड़े पैमाने पर आ रहे ड्रग्स को, जिसमें अफीम भी है। केंद्रीय और राज्य का नारकोटिक्स विभाग राज्य में अफीम आने से रोकने की कोशिश कर रहा है। लेकिन इस खेल में बहुत से भागीदारों के होने के कारण यह जटिल हो गया है। लेकिन सबसे बड़ी समस्या है म्यांमार, जहां बड़े पैमाने पर अफीम की खेती होती है और नशीली दवाओं का कारोबार भी होता है। भारत और म्यांमार की सीमा 400 किलोमीटर लंबी है और दुर्गम भी। यही कारण है कि वहां न केवल नशीली दवाओं के तस्कर ही नहीं, सोने के तस्कर भी सक्रिय हैं। नागालैंड, मणिपुर वगैरह में आतंकी कार्रवाई करने के बाद उग्रवादी भी म्यांमार भाग जाते हैं। भारत चाह कर भी उनके खिलाफ कुछ कर नहीं पाता। वहां सैनिक शासन है और सेना नशीली दवाओं के कारोबार में भी दखल रखती है। इसलिए तस्करों को भारत अफीम भेजने में आसानी होती है जहां से पैसे मिलते हैं जिसका हिस्सा वहां के सेना के अधिकारियों तक पहुंचता है। ज़ाहिर है कि इस आकर्षक धंधे में सभी आना चाहते हैं। दिलचस्प बात यह है कि ज्यादातर कुकी मणिपुर के मूल निवासी नहीं है, फिर भी वे अब जनसंख्या के बल पर अपना अलग प्रशासन चाहते हैं। यह भी झगड़े की एक बड़ी वजह है। कुकी लड़ाकू किस्म के कबाइली हैं और उनकी मिजो और नागाओं से झड़पें होती रहती हैं। कई बार तो उनकी लड़ाई कई-कई महीनों तक चली है। ज्यादातर कुकी चिन म्यांमार से अवैध रूप से भारत आये थे और बड़े पैमाने पर मणिपुर में बस गये थे। अभी भी उनका वहां से आना जारी है। वहां के दुर्गम पहाड़ी इलाकों में उन्हें खोज पाना आसान भी नहीं है। भारत के पूर्वोत्तर राज्य मैदानी राज्यों की तरह नहीं हैं। यहां के लोग अलग हैं और समस्याएं भी। यहां बरसों से जमकर भ्रष्टाचार होता रहा है और तस्करी भी खूब होती है। म्यांमार से नशीले पदार्थों की तो तस्करी होती ही है, चीन से कपड़ों और इलेक्ट्रॉनिक सामानों की भी। अफीम उपजाने के इस खेल में बहुत से तत्व हैं जिनमें कई सत्ता के नजदीक होने के कारण बचते रहे हैं। यहां तक कि पुलिस वाले और कई कारोबारी भी इस आसान तरीके से पैसा कमाने में जुटे हुए हैं। इनमें से कई पकड़े भी गये हैं लेकिन धंधा है कि बदस्तूर चलता रहता है। अफीम ने मणिपुर को काफी हद तक जंगलविहीन बना दिया है क्योंकि सैकड़ों वर्ग किलोमीटर जंगल काटकर वहां अफीम की अवैध खेती की जा रही है। इससे पर्यावरण को धक्का तो लग रहा है, इस सुरम्य राज्य की सुंदरता घटती जा रही है। मणिपुर में थोड़े समय में शांति हो जायेगी लेकिन सवाल यह है कि क्या इसके साथ ही झगड़े की जड़ अफीम की खेती तथा तस्करी मिट जायेगी? इस गंभीर समस्या पर देश के नीति-नियंताओं को गंभीरता से विचार करना होगा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

श्रावण मास और शिव

(लेखक - डॉ. रीना मालपानी)

श्रावण मास शिव शम्भू का प्रिय है और श्रावण में शिव भक्त भी बम-बम भोले और हर-हर महादेव के उद्घोष से सृष्टि को गुंजायमान कर देते है. हम सभी जानते है कि त्रियंबकेश्वर शिव के समान कोई दाता नहीं है और बहुत ही कम सामग्री में शम्भू नाथ प्रसन्न हो जाते है. रुद्राभिषेक, काँवड़ यात्रा, अमरनाथ यात्रा, श्रावण का सोमवार, प्रदोष हो या नागपंचमी यह सभी शिव भक्तों के लिए उत्सव स्वरुप है. श्रावण माह में सभी भक्त अपने मनोरथों की पूर्ति के लिए बाबा वैद्यनाथ से प्रार्थना करते है क्योंकि श्री हरि विष्णु के योग निद्रा में जाने के पश्चात् त्रिशूलधारी त्रिपुरारी ही सृष्टि की सत्ता का संचालन करते है. जिस प्रकार नीलकंठ विष धारण करने के पश्चात् भी ध्यानमग्न होकर आनंद की खोज करते है उसी प्रकार शिवभक्त भी शम्भू की भक्ति में आनंद के क्षणों से अभिभूत होता है. आदि अनंत अविनाशी शिव की आराधना से शिव भक्तों का मन निर्मल एवं शांतचित्त हो जाता है. पल भर में प्रलय करने वाले शिव स्वयं आनंद प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करते है. जिनकी महिमा का सभी देवी-देवता, दानव, असुर, यक्ष इत्यादि गुणगान करते है वे महादेव सावन में शीघ्र कृपा कर देते है. शिवभक्त ज्योर्तिलिंग के दर्शन कर शिव के प्रत्यक्ष विराजमान स्वरुप को महसूस करते है, वहीँ पार्थिव शिवलिंग एवं लिंग स्वरुप की आराधना से सभी जनमानस धन्य हो जाते है. महामृत्युंजय मंत्र के जप से महाँकाल की शरण प्राप्त कर भय से मुक्त नजर आते है. शिव महापुराण में भी श्रावण और शिव की स्तुति का वर्णन हमें मिलता है. हम भला ईश्वर को क्या अर्पित कर सकते है, पर पूजा के स्वरुप द्वारा हम भावों और आत्मा से ईश्वर से जुड़ने लगते है. कुछ क्षण के लिए ही सही हम उस परमात्मा के साथ एकाकार होने की दिशा में अग्रसर होते है. पूजन अर्चन के अनेक स्वरुप हो सकते है. कोई शम्भुनाथ उमापति की झाँकी सजाता है, कोई उनके भजन-कीर्तन में तल्लीन हो जाता है, कोई महाँकाल की सवारी निकालता है, तो कोई व्रत-उपवास एवं मंत्र-जप द्वारा शिव की आराधना का मार्ग चयन करता है. माध्यम कोई भी हो बस हम शिव की भक्ति के सूर्य को देदीप्यमान और प्रकाशवान करना चाहते है. श्रावण माह में हर समय हमारा मन कैलाशपति, रुद्रनाथ, विश्वनाथ, ओंकारेश्वर में मन रमता नजर आता है. हर-हर महादेव के द्वारा हम हर समय प्रभु से अपने कष्ट हरने के लिए निवेदन करते है. शिव तो वो है जो सृष्टि के प्रत्येक वैभव को हमें प्रदान कर सकते है फिर भी वे वैराग्य धारण कर उसके महत्व को उजागर करते है. जो शमशान में निवास कर मृत्यु को जीवन का सत्य मानते है. भस्म धारण कर मोह-माया से विरक्ति दर्शाते है, उन्हीं शम्भू की सत्यता, सरलता और सहजता हमें उनके प्रति नतमस्तक बना देती है और हमारी आस्था एवं भक्ति को प्रबलता प्रदान करती है. शिव तो तीनों लोकों में पूज्यनीय एवं वंदनीय है. भूतभावन भोलेनाथ की आराधना तो हमें अकालमृत्यु से भी मुक्ति दिलाती है. शिव की सरलता तो देखिये वे मात्रा जल और बिल्वपत्र से प्रसन्न हो जाते है. उनकी पूजा तो प्रत्येक प्राणि के लिए सरल है. उमापति की सत्यता तो देखिये जब दूल्हे बने तब भी अपने सत्य स्वरुप में ही सबके सामने प्रत्यक्ष हुए. हम सभी जानते है कि हम सभी ने मुट्ठी बाँधकर इस संसार में जन्म लिया है और खाली हाथ हम इस संसार से विदा हो जाएंगे. इस धरा से जो प्राप्त करेंगे उसे हम यहीं छोड़कर चले जाएंगे, वहीं शिव का स्वरुप हमें सदैव सत्यम-शिवम-सुंदरम का स्मरण कराता है और श्रावण मास में शिव आराधना हमें जीवन के सत्य को याद रखने को भी प्रेरित करती है शिव को जलधारा अत्यंत प्रिय है और इसी कारण उन्हें श्रावण मास भी प्रिय है. शिव की पूजा-अर्चना हमारी भक्ति की प्यास को भी पूर्णता प्रदान करती है. हर पूजा के साथ हम भावों की माला से शिव को आराधते है. वर्तमान समय में श्रावण मास और अधिकमास का संयोग विद्यमान है और नारायण तो स्वयं कहते है कि जिस पर त्रिपुरारी कृपा नहीं करते उन्हें मेरी भी भक्ति प्राप्त नहीं होती. अतः शिव की आराधना तो हमें स्वयं ही सृष्टि के पालनहार के समीप पहुँचा देती है. शिव में समाहित होना हमें शिवलोक की ओर अग्रसर करता है, वहीँ शिव का अर्द्धनारीश्वर स्वरुप हमें शिव-शक्ति की अनूठी सत्ता का भी दर्शन करवाता है. शिव ने तो प्रेम निर्वहन में भी सदैव धैर्यपूर्वक उत्कृष्टता प्रदर्शित की. महादेव ही एकमात्र वो देव है जिनकी संसार के प्राणी नहीं बल्कि शमशान की आत्मा द्वारा भी स्मरण एवं जप होता है. शिव शम्भू की विवेचना तो असंभव है. उनकी वेशभूषा हो, लीला हो अथवा उनका त्याग हो वे प्रत्येक स्वरुप में वंदनीय है. सृष्टि और भक्त के कल्याण के लिए वे सदैव तत्पर दिखाई देते है. शिवशम्भु, गिरिजापति, नागेश्वर, उमाकांत तो कृपानिधान और भक्तवत्सल है. रावण ने सोमनाथ, जटाधारी, गौरीशंकर की आराधना कर राम के द्वारा उद्धार प्राप्त किया वहीँ श्रीराम ने आशुतोष, मुक्तेश्वर, जगपालनकर्ता महेश की आराधना कर सरलता से युद्ध में विजय प्राप्त की. रुद्रावतार हनुमान ने तो श्रीराम के प्रत्येक कार्य को सरलता प्रदान की, तो क्यों न कुछ क्षणों के लिए ही हम शिव में लीन होकर भक्ति के मार्ग पर अपने अनवरत कदम बढ़ाएं और श्रावण मास में शिव का स्मरण कर अपनी मनुष्ययोनि का कृतार्थ करें.

संसद की कार्रवाई पर सेंसरशिप?

(लेखक-सनत जैन)

संसद में सभी सदस्यों को अपनी बात कहने का अधिकार है। वह जो भी बोलते हैं,वह रिकॉर्ड पर आता है। सदस्यों की अभिव्यक्ति पर सदन के अंदर कोई रोक टोक नहीं है। आसंदी द्वारा दी गई व्यवस्था के अनुसार सदस्य अपनी बात सदन के अंदर कहते हैं। संसद में सदस्यों द्वारा जो बोला गया है, उसको आधार बनाकर सांसद को सदन के बाहर कोई चुनौती भी नहीं दी जा सकती है। यह संवैधानिक संरक्षण निर्वाचित प्रतिनिधियों को मिला हुआ है। संसद में चर्चा के दौरान यदि किसी सदस्य द्वारा ऐसे शब्दों का प्रयोग किया गया है। जो असंसदीय है, ऐसे शब्दों को हटाने का अधिकार सदन के अध्यक्ष अथवा सभापति को होता है। उन शब्दों को कार्यवाही से निकालने की परंपरा 1950 से लेकर अभी तक चली आ रही है। इसके लिए राज्यसभा में नियम 261 और लोकसभा में नियम 380 के तहत अध्यक्ष समय-समय पर गैर संसदीय आपत्तिजनक शब्दों को रिकॉर्ड से हटाने के आदेश समय-समय पर देते रहे हैं।

पिछले कुछ समय से विपक्षी सदस्यों द्वारा सदन में जो मामले उठाए जाते हैं। उनको रिकॉर्ड पर ही नहीं लिया जाता है। जो रिकॉर्ड में आ जाते हैं, उन्हें भी हटाने के आरोप अब विपक्षी दल मुखरता के साथ लगा रहे हैं। इस तरह के आरोप से आसंदी कमजोर होती है। हाल ही में डेरेक ओ ब्रायन ने मणिपुर की घटनाओं को लेकर संसद में जो बोला था। उनका पूरा बयान संसद के रिकॉर्ड से हटा दिया गया। उन्होंने कहा,इसमें कुछ भी संसदीय नहीं था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है, कि विपक्षी सदस्य सदन के अंदर जो बोलते हैं। उनके बयान को संसद की कार्यवाही से हटाया जा रहा है। या उन्हें सेंसर किया जा रहा है। उन्होंने अपने आरोप में कहा कि मलिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, जयराम रमेश, महुआ मोइत्रा, शांतनु सेन। भगवंत सिंह मान,संजय सिंह जान ब्रिट्स, एमबी राजेश, विनोद विश्वम, वाइको, संजय राउत इत्यादि सदस्यों के कथन सदन की कार्रवाई से हटाए गए हैं। उनके बयान में असंसदीय कुछ भी नहीं था। हां उनके बयान सरकार के खिलाफ थे। सदन की कार्रवाई से जिन सदस्यों के बयान को संसद की कार्रवाई से हटाया गया है। उनमें अधिकतर अडानी समूह, हिंडनवर्ग रिसर्च सेंसरशिप, आपातकाल, प्रधानमंत्री के बयान को उल्लेखित करते हुए जो बयान दिए गए थे। उन्हें सदन की कार्यवाही से हटा दिया गया है। विपक्ष का आरोप है, विपक्षी सदस्यों द्वारा सदन में दिए गए हर उस बयान को हटाया गया है। जिनमें सरकार अपनी जवाबदेही में विफल थी। सदन की कार्यवाही को हटाने से पहले सदस्यों को नोटिस तक नहीं दिया गया। नाही उनकी प्रतिक्रिया ली गई। सरकार की आलोचना करने वाले, जो भी बयान विपक्षी सांसदों के थे। उन्हें संसद की कार्रवाई से हटाकर एक तरह से सांसदों के बोलने के रिकॉर्ड पर भी सेंसरशिप जैसी स्थिति आ गई है। 1969 की किताब कैबिनेट गवर्नमेंट को उद्धत करते हुए कहा गया,कि सरकार और मंत्रियों पर प्रहार करना विपक्ष का दायित्व है। इससे भ्रष्टाचार और सरकार के कुशासन पर अंकुश लगाने की संवैधानिक शक्ति विपक्ष को मिलती है। संसद ही एक ऐसा मंच है,जहां पर निर्वाचित प्रतिनिधि अपने अधिकार के कारण सरकार से सवाल पूछ पाते हैं। सरकार को जवाब देने की बाध्यता, संवैधानिक प्रावधान में है। सदन के अध्यक्ष और सभापति का दायित्व होता है,कि वह सरकार से सदस्यों के हर प्रश्न का उत्तर दिलाने में सदस्यों की मदद करे। पिछले कुछ सत्रों मे असंसदीय शब्दों के स्थान पर विपक्षी सांसदों के पूरे बयान को ही,या उसके बड़े हिस्से को हटाने की कार्रवाई, लोकसभा और राज्यसभा में बड़े पैमाने पर की जा रही है। जो विपक्षी सांसदों के अनुसार एक तरह से सेंसरशिप है। सदस्यों की सदन के अंदर बोलने की जो अभिव्यक्ति है। उसको सदन के रिकॉर्ड से बाहर करना, असंवैधानिक बताते हुए अब विपक्षी दलों द्वारा विरोध मुखर होकर किया जा रहा है। आसंदी, सरकार के दबाव में सदन की कार्रवाई को संचालित करने और सरकार को बचाव करने का मौका देने की बात कह रहे हैं। जिसके कारण विपक्ष,सरकार और आसंदी के बीच में टकराव लगातार बढ़ता ही जा रहा है। सदस्यों के अधिकारों का संरक्षण करने का दायित्व संविधान ने सभापति और लोकसभा अध्यक्ष को दिया है। सरकार कई मामलों मैं विपक्ष के आरोपों या उनके प्रश्न से बचना चाहती है। पहले भी ऐसे कई उदाहरण हैं, आसंदी ने सरकार को सदस्यों द्वारा मांगी गई जानकारी और उनकी भावनाओं को सदन में जवाब दिलाने में सदस्यों को आसंदी का संरक्षण मिला है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंडिया शेल्टर फाइनेंस लाएगी आईपीओ

नई दिल्ली । अब अफोर्डेबल हाउसिंग फाइनेंस कंपनी इंडिया शेल्टर फाइनेंस अपना आईपीओ लाने जा रही है। इंडिया शेल्टर फाइनेंस ने आईपीओ के जरिए 1,800 करोड़ रुपए जुटाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी के पास प्रारंभिक कागजात दाखिल किए हैं। ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार आईपीओ में 1,000 करोड़ रुपए के ताजा शेयरों की पेशकश और 800 करोड़ रुपए की ऑफर फॉर सेल शामिल है। ओएफएस में शेयर बेचने वालों में कैटलिस्ट ट्रस्टीशिप लिमिटेड, मैडिसन इंडिया अपॉर्चुनिटीज चार, एमआईओ स्टारॉक, नेक्सस वेंचर्स -3 लिमिटेड और नेक्सस अपॉर्चुनिटी फंड- दो लिमिटेड शामिल हैं। शेयरों की ताजा पेशकश से मिली राशि का इस्तेमाल कर्ज देने और सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

यूएसएफडीए ने इंटास फार्मा को चेतावनी पत्र जारी किया

नई दिल्ली । अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक ने इंटास फार्मास्यूटिकल्स के साणंद स्थित विनिर्माण संयंत्र में खामियों के लिए चेतावनी पत्र जारी किया है। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने 28 जुलाई, 2023 को एक चेतावनी पत्र में संयंत्र में विभिन्न विनिर्माण खामियों की ओर इशारा किया। इसमें सीजीएमपी अनुपालन सुनिश्चित करने में गुणवत्ता नियंत्रण इकाई की विफलता का जिक्र भी किया गया। यूएसएफडीए ने कहा कि यह चेतावनी पत्र तैयार फार्मास्यूटिकल्स के लिए वर्तमान अच्छी विनिर्माण प्रथाएं (सीजीएमपी) नियमों के महत्वपूर्ण उल्लंघन का उल्लेख करता है। इसमें आगे कहा गया है कि चूंकि विनिर्माण, प्रसंस्करण, पैकिंग या होल्डिंग के लिए आपके तरीके सीजीएमपी के अनुरूप नहीं हैं, इसलिए आपके दवा उत्पादों में खामी है। यूएसएफडीए ने 22 नवंबर से दो दिसंबर, 2022 तक विनिर्माण संयंत्र का निरीक्षण किया था। चेतावनी पत्र तब जारी किया जाता है, जब अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक को पता चलता है कि किसी विनिर्माता ने उसके नियमों का उल्लंघन किया है।

एफपीआई ने सात कारोबारी सत्र में 8,545 करोड़ के शेयर बेचे

नई दिल्ली । लगातार तीन महीने तक भारतीय पूंजी बाजार में पैसा लगाने के बाद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) अब बाजार से पैसा निकाल रहे हैं। बाजार के जानकारों ने बताया कि पिछले सात कारोबारी सत्रों के दौरान एफपीआई ने 8,545 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। उन्होंने कहा कि अमेरिका में 10 साल के बॉन्ड पर मिलने वाला ब्याज तेजी से बढ़कर चार प्रतिशत से ऊपर पहुंच गया है। इससे उभरते बाजार वाले देशों में पूंजी प्रवाह निकट भविष्य में नकारात्मक रहने की आशंका है। एफपीआई ने भारतीय बाजार में पिछले तीन महीने में कुल 1,37,603 करोड़ रुपए का निवेश किया है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी बांड पर ब्याज ऊंची बनी रहती है तो एफपीआई द्वारा बिकवाली जारी रखने या कम से कम खरीदारी से परहेज करने की संभावना है। उन होंने कहा कि एफपीआई ने ऑटो, पूंजीगत सामान और वित्तीय कंपनियों के शेयरों में निवेश जारी रखा है। इसके अलावा एफपीआई की रणनीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि उन्होंने आईटी शेयरों में खरीददारी शुरू कर दी है। इस सेक्टर में पहले वे बिकवाली कर रहे थे। यह हाल में आईटी शेयरों में आई मजबूती को दिखाता है। उनका कहना है कि मजबूत मांग के कारण भारत की सेवा गतिविधियों का माह-दर-माह सूचकांक तेजी से बढ़कर 62.3 पर पहुंच गया जो 13 साल में सबसे तेज वृद्धि दर है। इसके कारण लगातार तीन दिन तक बिकवाली का दबाव झेलने के बाद घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को कुछ राहत देखी गई।

(मार्केट कैप) सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से 7 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटा

- भारतीय स्टेट बैंक सबसे अधिक नुकसान में रहा

मुंबई ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से 7 कंपे नियों का बाजार पूंजीकरण 1,09,947.86 करोड़ रुपए घट गया। इस दौरान भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को सबसे अधिक नुकसान हुआ। पिछले हफ्ते बीएसई सेंसेक्स में 438.95 अंक की गिरावट हुई। शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एसबीआई, भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस नुकसान में रहे, जबकि टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक और इंफोसिस के बाजार मूल्यांकन में वृद्धि हुई। एसबीआई का मूल्यांकन 38,197.34 करोड़ रुपए घटकर 5,11,603.38 करोड़ रुपए रह गया। आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 17,201.84 करोड़ रुपए घटकर 6,79,293.90 करोड़ रुपए हो गया। आईटीसी का मूल्यांकन 16,846.18 करोड़ रुपए घटकर 5,66,886.01 करोड़ रुपए और बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 14,366.34 करोड़ रुपए घटकर 4,32,932.18 करोड़ रुपए रह गया। सप्ताह के अंत में रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 11,806 करोड़ रुपए कम होकर 16,98,270.74 करोड़ रुपए और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 9,069.42 करोड़ रुपए घटकर 5,98,299.92 करोड़ रुपए था। हालांकि, इस सप्ताह टीसीएस का मूल्यांकन 31,815.45 करोड़ रुपए बढ़कर 12,59,555.25 करोड़ रुपए हो गया। इसके अलावा इंफोसिस और एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन भी बढ़ा। रिलायंस इंडस्ट्रीज देश की सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंफोसिस, आईटीसी, एसबीआई और भारती एयरटेल का स्थान रहा।

एप्पल की बिक्री में जबरदस्त तेजी

- इस स्मार्टफोन की बिक्री में आया 61 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली । स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल के सीईओ टिम कुक ने कहा है कि आईफोन की जबरदस्त बिक्री के कारण भारत में जून तिमाही में एप्पल ने रिकॉर्ड बनाया है। गुरुवार देर रात कंपनी के वित्तीय वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही के नतीजों के दौरान, कुक ने कहा कि इस वसंत में भारत में हमारे नए स्टोर का प्रदर्शन हमारी उम्मीदों से अधिक रहा। ऐ पल ने इस साल अप्रैल में मुंबई और दिल्ली में अपने रिटेल स्टोर खोले, जिन्हें काफी समर्थन मिला। भारतीय स्मार्टफोन बाजार में गिरावट के विपरीत एप्पल की बिक्री में जबरदस्त तेजी देखी गई। कंपनी ने 929 डॉलर के उच्चतम औसत बिक्री मूल्य (एएसपी) के साथ सालाना आधार पर 61 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की। वनप्लस ने भी 61 प्रतिशत की अच्छी वृद्धि दर्ज की, हालांकि इसका एएसपी सालाना आधार पर 14 प्रतिशत गिरकर 346 डॉलर हो गया। एप्पल की बिक्री बढ़ने से प्रीमियम खंड (600 डॉलर से अधिक) में सबसे अधिक वृद्धि हुई, जो सालाना आधार पर 75 प्रतिशत बढ़कर नौ प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने में सक्षम रहा। आईडीसी इंडिया की रिसर्च मैनेजर (के लाइंट डिवाइसेज) उपासना जोशी ने कहा, उपभोक्ता आसान और किफायती फाइनेंस विकल्पों के कारण प्रीमियम पेशकश की ओर जा रहे हैं। आईडीसी को उम्मीद है कि विकास की यह गति इस साल आगामी महीनों में भी जारी रहेगी। दूसरी तिमाही में लगभग 1.7 करोड़ 5जी स्मार्टफोन बिके जिनका एएसपी 366 डॉलर था। हालांकि पिछले साल के मुकाबले यह तीन फीसदी कम है। सैमसंग, विवो और वनप्लस 54 प्रतिशत की संयुक्त हिस्सेदारी के साथ 5जी सेगमेंट में अग्रणी थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐ पल का आईफोन 13 और वनप्लस का नोर्ड सीई3 लाइट दूसरी तिमाही में सबसे ज्यादा शिप किए गए 5जी मॉडल थे। बता दें कि देश में इस साल की पहली छमाही में 6.4 करोड़ स्मार्टफोन बिके जो पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 10 प्रतिशत कम है।

पिछले सप्ताह खाने के तेल की कीमतों में गिरावट, देशी तेल तिलहन में सुधार

- देश में जुलाई में खाद्य तेलों का रिकॉर्ड तोड़ आयात लगभग 17.6 लाख टन होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह तेल तिलहन बाजार में कारोबार का मिला जुला रुख रहा। अत्यधिक आयात होने के कारण विदेशों से आयात किये जाने वाले खाने के तेलों की कीमतों में गिरावट आई जबकि तिलहन की कमी के कारण सरसों, मूंगफली और बिनौला जैसे देशी तेल तिलहनों के दाम में मामूली सुधार दर्ज हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि माल की कमी होने और किसानों द्वारा नीचे भाव में बिकवाली नहीं करने से सरसों, मूंगफली और बिनौला जैसे देशी तेल तिलहन की कीमतों में मामूली सुधार देखने को मिला जबकि अत्यधिक आयात होने तथा बैंकों का ऋण साखपत्र घुमाते रहने की मजबूरी की वजह और बंदरगाहों पर लागत से कम कीमत पर इस तेल को बेचे जाने के कारण सोयाबीन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट देखने को मिली। सूत्रों ने कहा कि देश में जुलाई के महीने में खाद्यतेलों का रिकॉर्ड तोड़ आयात लगभग 17.6 लाख टन होने का अनुमान है।

पिछले सप्ताहांत के मुकाबले बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 रुपए सुधरकर 5,800-5,850 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 120 रुपए सुधरकर 11,120 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 40 रुपए और 25 रुपए के सुधार के साथ क्रमशः 1,840-1,935 रुपए और 1,840-1,950 रुपए टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 5,090-5,185 रुपए प्रति क्विंटल और 4,855-4,950 रुपए प्रति क्विंटल पर अपरिवर्तित रहे क्योंकि किसान पिछले साल के मुकाबले कम दाम पर बिकवाली नहीं कर रहे। समीक्षाधीन सप्ताहांत में सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल के भाव भी क्रमशः 10 रुपए, 100 रुपए और 100 रुपए टूटकर क्रमशः 10,550 रुपए, 10,250 रुपए और 8,800 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर, माल की कमी होने से समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन, मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड के भाव क्रमशः 25 रुपए, 50 रुपए और 20 रुपए मजबूत होकर क्रमशः 7,775-7,825 रुपए, 18,750 रुपए और 2,725-3,010 रुपए प्रति टिन पर बंद हुए। अत्यधिक आयात के कारण समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का भाव 50 रुपए की गिरावट के साथ 8,250 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 100 रुपए घटकर 9,500 रुपए प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला का भाव समीक्षाधीन सप्ताहांत में 100 रुपए घटकर 8,600 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

अच्छे माल की कमी और देशी खाद्यतेलों में तेजी के आम रुख के अनुरूप बिनौला तेल समीक्षाधीन सप्ताह में 25 रुपए सुधरकर 9,725 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

भारत स्टेलेंटिस के लिए एक प्रमुख केंद्रः अधिकारी

नई दिल्ली ।

वैश्विक ऑटोमोटिव कंपनी स्टेलेंटिस के लिए भारत एक प्रमुख केंद्र बन गया है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि देश में स्थित डिजिटल और सॉफ्टवेयर केंद्र उसकी भविष्य की तकनीकी जरूरतों को पूरा कर रहे हैं। फिएट क्रिसलर ऑटोमोबाइल्स और फ्रेंच पीएसए ग्रुप के 2021 में विलय के बाद स्टेलेंटिस वजूद में आई थी। कंपनी भारत में इस समय जीप और सिट्रोएन ब्रांड के तहत वाहन बेचती है। भारत में इसके तीन विनिर्माण संयंत्र, दो अनुसंधान एवं विकास केंद्र और दो आईसीटी केंद्र हैं। भारत और एशिया प्रशांत (आईएपी) क्षेत्र के बिक्री, विपणन और क्षेत्रीय संचालन के प्रमुख बिली हेस ने बताया कि हमारे पास इस क्षेत्र में 4,000 कर्मचारी हैं, और उनमें से ज्यादातर कर्मचारी यहीं भारत में हैं। हम यहां नौकरियां पैदा कर रहे हैं, दो आरएंडडी केंद्र और दो आईटी केंद्र। इनसे न सिर्फ भारत के लिए रोजगार पैदा हो रहे हैं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए रोजगार के अवसर तैयार हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत के बाहर बेचे जाने वाले वाहनों की जांच यहां की जाती है, क्योंकि यहां प्रतिभावान कार्यबल मौजूद है।

(शेयर बाजार समीक्षा) इस सप्ताह तिमाही नतीजों, आरबीआई के फैसले से तय होगी बाजार की चालः विश्लेषक

- वैश्विक बाजार के रुझान, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से भी बाजार प्रभावित होगा

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह शेयर बाजारों की चाल ब्याज दर पर आईबीआई के फैसले, जून के लिए औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजों से काफी हद तक तय होगी। विश्लेषकों ने कहा कि इसके अलावा वैश्विक बाजार के रुझान, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और विदेशी निवेशकों के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा। बाजार के एक वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक ने कहा कि बाजार की नजर आरबीआई मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक पर होगी, जिसके नतीजों की घोषणा 10 अगस्त, 2023 को होगी। इसके अलावा इस सप्ताह अडानी पोर्ट्स, कोल इंडिया, हीरो मोटोकॉर्प, हिंडाल्को और ओएनजीसी जैसी प्रमुख कंपनियों के तिमाही नतीजों पर भी नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि वृहद आर्थिक मोर्चे पर बाजार भागीदार औद्योगिक उत्पादन और विनिर्माण उत्पादन के आंकड़ों जैसी प्रमुख घटनाओं पर करीब से नजर रखेंगे। ये आकंड़े 11 अगस्त को जारी किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि वैश्विक शेयर बाजारों का रुख, डॉलर सूचकांक की चाल, डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार को प्रभावित करेंगी। बाजार इस सप्ताह आरबीआई की नीति बैठक, तिमाही नतीजों, कच्चे तेल, अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों, अमेरिका में बेरोजगारी की स्थित और ब्रिटेन के जीडीपी आंकडों से प्रभावित होगा। विदेशी संस्थागत निवेशक पिछले सप्ताह पूंजी बाजार में शुद्ध विक्रेता थे और इस सप्ताह उनके रुख पर कारोबारियों की नजर रहेगी। एक अन्य बाजार विशेषज्ञ ने कहा कि इस सप्ताह मुख्य रूप से आरबीआई की नीति बैठक पर नजर रहेगी और ब्याज दर को लेकर संवेदनशील क्षेत्रों पर फोकस बना रहेगा।

हयूदै मोटर्स और किआ ने गाड़ियों को वापिस बुलाया

नई दिल्ली । ऑटोमोबाइल सेक्टर की कंपनी हयूदै मोटर्स और किआ ने अमेरिका में अपनी 91 हजार गाड़ियों को वापिस बुलाया है। रिकॉल की गई 91 हजार गाडियों में 51,000 हुंडई और 40,000 किआ की गाड़ियां हैं। इन गाड़ियों में कुछ इलेक्ट्रिकली डिफाल्ट होने के चलते आग लगने का खतरा है। हुंडई रिकॉल में 2023-2024 पैलिसेड, 2023 ट्यूसों, सोनाटा, एलांट्रा और कोना शामिल है। वहीं किआ रिकॉल में 2023-2024 सेल्टोस और 2023 किआ सोल, स्पोर्टेज व्हीकल शामिल हैं। इन गाड़ियों को रिकॉल करने के पीछे का कारण संभावित आग लगने का खतरा है।सितंबर के अंत में मालिकों को सूचित किया जाएगा और डीलर आवश्यकतानुसार ऑयल पंप कंट्रोलर का निरीक्षण करेंगे और उसे बदल देंगे। हुंडई और किआ अपने इन ग्राहकों से गाड़ी को घर के बाहर या फिर किसी खुली जगह में पार्क करने की अपील कर रहे हैं ताकि संभावित आग लगने के खतरे को टाला जा सके। दरअसल, कोरियाई वाहन निर्माताओं को उनको गाड़ियों में लगे आइडल स्टॉप एंड गो ऑयल पंप असेंबली के इलेक्ट्रॉनिक नियंत्रकों में संभावित समस्या देखने को मिली है, जिसके कारण कभी भी ओवरहीट हो सकती है और गाड़ी में आग लग सकती है।

संकट में बायजू, 120 करोड़ डॉलर के टर्म लोन पर नहीं बनी बात

- बायजूस ने नवंबर 2021 में विदेशी निवेशकों से 120 करोड़ डॉलर का कर्ज जुटाया था

नई दिल्ली ।

देश की सबसे अधिक वैल्यू वाली स्टार्टअप बायजूस के आगे की डगर एक बार फिर अनिश्चित हो गई है। बायजूस और इसके कर्जदार 120 करोड़ डॉलर के टर्म लोन पर अभी तक किसी मुद्दे पर बात नहीं बनी है। इसके लिए 3 अगस्त तक का समय तय किया गया था लेकिन अब यह तारीख भी बीत गई और अब आगे कब तक इस पर कोई बात बनेगी, इसे लेकर कुछ तय नहीं है। सूत्रों ने बताया कि बातचीत सही दिशा में आगे बढ़ रही है लेकिन अभी तक कोई नतीजा नहीं निकला है। एडटेक कंपनी के प्रवक्ता का कहना है कि बायजूस ऐसी किसी टाइमलाइन को लेकर प्रतिबद्ध नहीं थी। अगले हफ्ते बायूजस के को-फाउंडर बायजू रवींद्रन की अगले हफ्ते लेंडर्स के साथ बैठक है और दोनों ही पक्षों को उम्मीद है कि कोई नतीजा निकल जाएगा। एडहॉक टर्म लोन लेंजर्स की कमेटी ने औपचारिक रूप से 24 अगस्त को इस टाइमलाइन का ऐलान किया था कि 3 अगस्त तक लोन से जुड़ी शर्तों में बदलाव पर बात बन जाएगी। इस कमेटी में शामिल लेंडर्स ने बायजूस पर जो 120 करोड़ डॉलर का जो टर्म लोन है, उसका 85 फीसदी दिया हुआ है। कमेटी ने कहा था कि 3 अगस्त 2023 से पहले तक टर्म लोन एमेंडमेंट पर बात बन जाएगी। इससे लोन को लेकर सारे विवाद खत्म होने की उम्मीद जताई गई थी।

बायजूस ने नवंबर 2021 में टर्म लोन बी के जरिए विदेशी निवेशकों से 120 करोड़ डॉलर का कर्ज जुटाया था। टर्म लोन बी आम लोन से इस मामले में अलग है कि इसमें किश्तें नहीं चुकानी होती है और लोन पीरियड की समाप्ति पर पूरा पैसा चुकाना होता है। लोन पीरियड के दौरान मामूली रेट पर कुछ पैसा देना पड़ सकता है। अब बायजूस के मामले में ऐसा हुआ कि पिछले साल दिसंबर 2022 से कंपनी और लेंडर्स के बीच विवाद हो गया और इस साल मार्च में लेंडर्स ने नॉन-मॉनीटरी और टेक्निकल डिफॉल्ट्स के आरोप में पैसे मांगना शुरू कर दिया। मई में लेंडर्स ने बायजूस के पूर्ण मालिकाना हक वाली अल्फा के खिलाफ डेलवेयर कोर्ट में इस आरोप में मामला कर्ज कर दिया कि इसने लेंडर्स से 50 करोड़ डॉलर छिपाया है। इसके कुछ ही हफ्ते बाद बायजूस ने भी न्यूयॉर्क सुप्रीम कोर्ट में लेंडर्स के खिलाफ याचिका दायर कर दिया और लोन चुकाने को लेकर चुनौती दे दी।

बायजूस ने 4 करोड़ डॉलर का ब्याज भी चुकाना बंद कर दिया जो लोन पेमेंट शुरू होने के चलते ड्यू था। उसके बाद से दोनों पार्टियों के बीच टर्म लोन के नियमों में बदलाव को लेकर बातचीत हो रही है।

देश में 12 साल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंची चावल की कीमत

मुंबई ।

भारत ने हाल ही में गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। देश में चावल की बढ़ती कीमत को थामने के लिए सरकार ने यह फैसला किया था लेकिन इससे दुनियाभर में चावल की कीमत में भारी तेजी आई है। यूएन की फूड एजेंसी एफएओ के मुताबिक जुलाई में राइस प्राइस इंडेक्स 2.8 फीसदी की तेजी के साथ करीब 12 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। इसमें पिछले साल जुलाई के मुकाबले 20 फीसदी तेजी आई है और यह सितंबर 2011 के बाद उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है। मजबूत मांग और भारत के प्रे तिबंध से चावल की कीमत बढ़ी है। भारत दुनिया में चावल का सबसे बड़ा निर्यातक है। ग्लोबल एक्सपोर्ट में भारत की 40 फीसदी हिस्सेदारी है। भारत ने पिछले महीने गैर बासमती सफेद चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। देश से निर्यात होने वाले कुल चावल में गैर बासमती सफेद चावल की हिस्सेदारी करीब 25 फीसदी है। भारत के अलावा थाईलैंड, वियतनाम, कंबोडिया और पाकिस्तान चावल के प्रमुख निर्यातक हैं। चावल आयात करने वाले देशों में चीन, फिलीपींस, बेनिन, सेनेगल, नाइजीरिया और मलेशिया प्रमुख हैं। भारत के चावल पर प्रतिबंध लगाने से अमेरिका में हड़कंप मच गया था। वहां बड़ी संख्या में भारतीय मूल के लोग रहते हैं और प्रतिबंध की खबर सुनते ही वे स्टॉक जमा करने के लिए दुकानों पर टूट पड़े। इधर भारत ने चावल के निर्यात पर प्रे तिबंध तो उधर रूस ने यूक्रेन के बंदरगाहों से अनाज ले जाने वाले जहाजों को सुरक्षित रास्ता देने वाले डील से किनारा कर लिया। इससे जुलाई में खाने पीने की चीजों की कीमत में बढ़ोतरी हुई।

बिहार में महंगा हुआ पेट्रोल-डीजल, मध्य प्रदेश में सस्ता

- ब्रेंट क्रूड 86.24 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में रे विवार को कोई बदलाव नहीं हुआ है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 82.82 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 86.24 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। देश में तेल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के ताजा रेट जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है. जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। बिहार में पेट्रोल 49 पैसे और डीजल 46 पैसे महंगा हो गया है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 32 और डीजल 30 पैसे महंगा हो गया है। राजस्थान में पेट्रोल की कीमत में 31 पैसे और डीजल में 28 पैसे का इजाफा है। दूसरी ओर मध्य प्रदेश में पेट्रोल 27 और डीजल 24 पैसे सस्ता हुआ है। इसी प्रकार हरियाणा, हिमाचल, केरल व कर्नाटक में पेट्रोल-डीजल की कीमत में हल्की गिरावट दिख रही है।वहीं दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपए और डीजल 94.33 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.59 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 96.44 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.47 रुपए और डीजल 94.25 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

एसबीआई होम लोन क्षेत्र में आगे बना रहेगाः खारा

मुंबई ।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन दिनेश खारा ने कहा कि एसबीआई होम लोन बाजार की अगुवाई करता रहा है और आगे भी ऐसा करता रहेगा। खारा ने कहा कि जून तिमाही तक एसबीआई का कुल होम लोन 6.52 लाख करोड़ रुपए था। उन्होंने कहा कि हम होम लोन के मामले में सबसे बड़े रहे हैं, अब भी हैं और आगे भी सबसे बड़े ऋणदाता बने रहेंगे। उनसे आवासीय कर्ज मुहैया कराने वाली कंपनी एचडीएफसी के एचडीएफसी बैंक में विलय होने के बाद आवासीय ऋण बाजार की मौजूदा स्थिति के बारे में सवाल पूछा गया था। एक जुलाई से लागू हुए देश के सबसे बड़े विलय (40 अरब डॉलर) से पहले एचडीएफसी बैंक होम लोन के मोर्चे पर अधिक सक्रिय नहीं था। वह होम लोन खाता हासिल करने के बाद उसे शुल्क लेकर अपनी मूल कंपनी एचडीएफसी को बेच देता था। कई विश्लेषकों के मुताबिक, 31 मार्च, 2023 तक एचडीएफसी बैंक का सामूहिक होम लोन 7.3 लाख करोड़ रुपए आंका गया है लेकिन बैंक ने जून तिमाही के नतीजों में इसके आंकड़ों का खुलासा नहीं किया है। एचडीएफसी के शेयर 13 जुलाई से समाप्त हो गए है। उस समय तक एसबीआई का होम लोन 6.4 लाख करोड़ रुपए था। एसबीआई फरवरी, 2021 में एचडीएफसी को पीछे छोड़ते हुए आवासीय ऋण बाजार का अगुवा बना था।

उस समय एसबीआई की बाजार हिस्सेदारी 23.5 प्रतिशत थी जबकि एचडीएफसी की हिस्सेदारी 17 प्रतिशत थी।

एशिया कप के लिए तैयार हो रही खिलाड़ियों की लिस्ट. केएल राहुल अंदर सैमसन बाहर ?

– भारतीय टीम की कप्तानी होगी रोहित शर्मा के हाथों में, शुभमन और विराट कोहली होंगे विशेष बल्लेबाज

नयी दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी वन डे क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 के लिए फाइनल टीम इंडिया का खाका तैयार किया जा रहा है। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि किसे टीम में जगह मिलेगी, लेकिन सूत्रों की माने तो रोहित शर्मा के हाथों जहां टीम की कमान होगी वहीं शुभमन और विराट को विशेष बल्लेबाजी के लिए टीम में रखा जाएगा। गौरतलब है कि वर्ल्ड कप की शुरुआत में अब दो महीने का वक्त बचा हुआ है। वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से लेकर 19 नवंबर तक भारत में खेला जाना है। पहली बार ऐसा हो रहा है जब भारत अकेले ही वनडे वर्ल्ड कप की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले उसने 1987, 1996 और 2011 के वनडे वर्ल्ड कप की संयुक्त मेजबानी की थी। इस वर्ल्ड कप से पहले एशिया कप का भी आयोजन होने जा रहा है, जिसके जरिए भारतीय टीम अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना चाहेगी। इस बार एशिया कप 31 अगस्त से 17 सितंबर के दौरान पाकिस्तान और श्रीलंका में खेला जाना है। एशिया कप को लेकर भी क्रिकेट फैन्स काफी उत्साहित हैं क्योंकि भारत-और पाकिस्तान की टीमें भी इस टूर्नामेंट में आमने-सामने होने वाली है। एशिया कप 2023 के लिए भारतीय टीम का ऐलान जल्द हो सकता है।

गौरतलब है कि एशिया कप में भाग लेने वाली सभी छह टीमों को अपने-अपने स्क्वॉड 15 अगस्त तक घोषित कर देने हैं। अजीत अगरकर की अगुवाई में राष्ट्रीय चयनकर्ता तो भारतीय टीम चुनेंगे ही, उससे पहले हम आपको बताते हैं कि कौन से वे खिलाड़ी रहने वाले हैं जिनके 15 सदस्यीय दल में जगह बनाने की संभावना है। बताया जा रहा है कि भारतीय टीम की कप्तानी रोहित शर्मा के हाथों में रहेगी, वहीं शुभमन गिल और विराट कोहली स्पेशलिस्ट बल्लेबाज के तौर पर टीम में शामिल होंगे। श्रेयस अय्यर इंजरी के चलते एशिया कप के लिए शायद समय पर फिट नहीं हो पाएंगे, ऐसे में सूर्यकुमार यादव की भी टीम में एंट्री हो सकती है। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर केएल राहुल और ईशान किशन को स्क्वॉड में जगह मिलने की संभावना है।

सूत्रों की मानें तो केएल राहुल अब फिट हो चुके हैं और उन्होंने नेट्स में विकेटकीपिंग शुरू कर दी है। राहुल के फिट होने के चलते संजू सैमसन को निराशा हाथ लग सकती है। उधर उप-कप्तान हार्दिक पंड्या की भूमिका एशिया कप में काफी अहम होने वाली है। हार्दिक बल्ले से तो शानदार खेल दिखाना चाहेंगे ही, वहीं गेंदबाजी में भी भारतीय फैन्स को इस स्टार खिलाड़ी से दमदार खेल की उम्मीद रहेगी। रवींद्र जडेजा के साथ-साथ अक्षर पटेल को भी बतौर ऑलराउंडर भारतीय टीम में जगह मिल सकती है। अक्षर गेंद के साथ ही कई मौकों पर बल्ले से भी अपनी काबिलियत साबित कर चुके हैं। वहीं फास्ट बॉलिंग यूनिट में चार स्पेशलिस्ट तेज गेंदबाजों को शामिल किया जा सकता है।

एशिया कप के लिए संभावित 15 सदस्यीय भारतीय टीम में रोहित शर्मा (कप्तान), शुभमन गिल, विराट कोहली, ईशान किशन (विकेटकीपर), केएल राहुल (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या (उप-कप्तान), रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव,

जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, शार्दुल ठाकुर, सूर्यकुमार यादव, युजवेंद्र चहल और अक्षर पटेल के नाम शामिल हैं। गौरतलब है कि एशिया कप में हमेशा ही भारतीय टीम का दबदबा रहा है। अब तक के इतिहास में एशिया कप के 15 सीजन हुए हैं, जिसमें भारतीय टीम ने सबसे ज्यादा 7 बार (1984, 1988, 1990-91, 1995, 2010, 2016, 2018) खिताब जीता है। जबकि श्रीलंका दूसरे नंबर पर है, जो 6 बार (1986, 1997, 2004, 2008, 2014, 2022) चैम्पियन रही है। पाकिस्तान दो ही बार (2000, 2012) खिताब अपने नाम किया।

ऑस्ट्रेलिया ओपन में उप विजेता रहे एचएस प्रणय

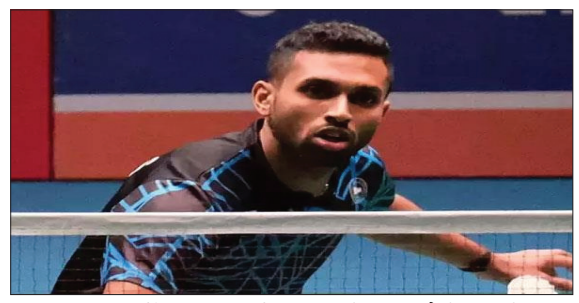

सिडनी (एजेंसी)। भारत के एचएस प्रणय को रविवार को यहां ऑस्ट्रेलिया ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में चीन के वेंग होंग यांग से तीन गेम तक चले रोमांचक मैच में हार का सामना करना पड़ा। केरल के रहने वाले 31 वर्षीय प्रणय ने पहला गेम गंवाने के बाद अच्छी वापसी की लेकिन निर्णायक गेम में वह पांच अंक की बढ़त का फायदा नहीं उठा पाए और विश्व में 24वें नंबर के खिलाड़ी वेंग से 9-21, 23-21, 20-22 से हार गए।

कोरिया ओपन (2022) और चीन ओपन (2019) का खिताब जीतने वाले यांग ने इस जीत के साथ ही मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में इस भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ मिली हार का बदला भी चुकता कर लिया। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच इससे पहले केवल एक मुकाबला हुआ था। प्रणय ने उस मैच में तीन गेम में जीत दर्ज करके मलेशिया मास्टर्स का खिताब जीता था।

प्रणय ने इस सत्र में आठ में से छह मैचों में शुरुआती गेम में शिकस्त का सामना करने के बाद जीत दर्ज की है। उन्होंने इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज एंथोनी गिंटिंग के खिलाफ भी पहला गेम गंवाने के बाद जीत दर्ज की थी। पहले गेम को आसानी से गंवाने वाले विश्व रैंकिंग में नौवें स्थान पर काबिज प्रणय के पास निर्णायक गेम में पांच अंक (19-14) की बढ़त थी लेकिन वेंग ने शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की।

प्रणय ने मैच में अच्छी शुरुआत की लेकिन वेंग ने दमदार स्मैश से स्कोर 6-6 कर दिया। चीन के खिलाड़ी ने इसके बाद दबदबा बनाते हुए 12 गेम प्वाइंट हासिल किये और प्रणय ने शटल को नेट पर खेल कर उनका काम आसान कर दिया। पहले गेम को बड़े अंतर से गंवाने के बाद दूसरे गेम की शुरुआत में भी प्रणय 0-3 से पिछड़ने के बाद दबाव में थे। उन्होंने हालांकि शानदार वापसी करते हुए स्कोर को 2-4 और फिर 7-7 किया। ब्रेक के समय उनके पास 11-8 की बढ़त थी।

चीन के खिलाड़ी ने ब्रेक के बाद बैकलाइन के शानदार इस्तेमाल से स्कोर को 15-15 किया। उन्होंने प्रणय के शरीर पर स्मैश लगाकर एक बार फिर 19-19 से बराबरी की। वेंग ने यहां 'मेडिकल टाइम आउट% लिया और वापसी के बाद भी प्रणय को कड़ी टक्कर देते हुए स्कोर को 21-21 किया। प्रणय ने हालांकि इसके बाद लगातार दो अंक के साथ मुकाबला जीत लिया। प्रणय ने तीसरे गेम में भी लय बरकरार रखते हुए 6-3 की बढ़त ली। उनकी यह तीन अंक की बढ़त ब्रेक के समय भी जारी रही।

वेंग की गलतियों का फायदा उठाते हुए प्रणय ने 15-9 की बढ़त बनाई लेकिन चीन के खिलाड़ी इस छह अंक के अंतर को तीन अंक (17-14) कर दिया। प्रणय ने शानदार स्मैश लगाकर स्कोर को 19-14 किया। वेंग ने इसके बाद लगातार तीन अंक जीते। उन्होंने प्रणय के साथ 71 शॉट के रैली को जीतने के बाद स्को को 18-19 और फिर 19-19 कर दिया। प्रणय ने इसके बाद नेट के शानदार इस्तेमाल से चैम्पियनशिप प्वाइंट जीतने का मौका बनाया लेकिन किस्मत ने वेंग का साथ दिया और शटल नेट से टकराने के बाद उनकी ओर गिर गयी। वेंग ने इसके बाद लगातार अंक जुटा कर चैम्पियनशिप प्वाइंट हासिल किया। उनके स्मैश पर प्रणय शटल को कोर्ट से बाहर मार बैठे।

काऊंटी क्रिकेट नहीं खेलेंगे रहाणे

लंदन (एजेंसी)। बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने काउंटी क्रिकेट खेलने से इंकार कर दिया है। रहाणे ने अपनी फिटनेस पर ध्यान देने के लिए अपनी काउंटी टीम लीसेस्टरशायर से नाम वापस ले लिया है। रहाणे के अनुसार वह कांउटी की जगह घरेलू क्रिकेट खेलेंगे।

रहाणे ने कहा कि पिछले 4 महीने उनके लिए अच्छे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने तेजी वाला क्रिकेट खेला है। अब वह घरेलू सत्र में अपने शरीर को तरोताजा करने पर ध्यान देंगे। साथ ही कहा कि हर मुंबई का प्रतिनिधित्व करना हमेशा मेरे लिए सम्मान की बात रही है और मैं अगले 2 महीनों में अपनी फिटनेस पर जमकर काम करुंगा। जिससे अक्टूबर में शुरू होने वाले आगामी घरेलू सत्र के लिए मैं अपने तैयार हो सकूं। रहाणे ने कहा कि मैंने भारतीय घरेलू सत्र की तैयारी के लिए ही काउंटी टीम ने बार रहना तय किया है। रहाणे ने कहा कि टीम लीसेस्टरशायर से उनके संबंध अच्छे हैं और उससे उनका लगातार संपर्क बना हुआ है। टीम मेरा पक्ष समझते हुए मुझे बदलते हुए हालातों के अनुरुप ढलने में साथ है। आने वाले समय में इस टीम की ओर से मेरे खेलने की संभावनाएं बनी रहेंगी।

बीसीसीआई के पास अगले पांच साल में प्रसारण अधिकारों से ही 8200 करोड़ रुपए कमाने का मौका

–विश्वकप में टीम हारी तो ही विज्ञापन राजस्व में हो सकता है नुकसान

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पास अगले पांच साल यानि मार्च 2028 तक 88 घरेलू मैचों के टीवी और डिजिटल अधिकार से एक अरब डॉलर (तकरीबन 8200 करोड़ रुपए) की कमाई करने का अच्छा अवसर है।

इस नए चक्र में भारतीय टीम को आस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 घरेलू मैच (5 टेस्ट, 6 एकदिवसीय और 10 टी20) और इंग्लैंड के खिलाफ 18 मैच (10 टेस्ट, 3 एकदिवसीय और 5 टी20) हैं। इस प्रकार भारतीय टीम को कुल 25 टेस्ट, 27 एकदिवसीय और 36 टी20 खेलने हैं। वहीं अक्टूबर-नवंसर में एकदिवसीय विश्व कप होना है और अगर इसमें भारतीय टीम नहीं जीत दर्ज करती है तो बोर्ड के विज्ञापन राजस्व पर असर पड़ेगा। इसके

अलावा टेस्ट मैच भी पूरे पांच दिन नहीं चले तो भी राजस्व कम हो सकता है।

पिछले 5 साल के चक्र में (2018 से 2023) तब बीसीसीआई ने 94 करोड़ 40 लाख डॉलर (करीब 6138 करोड़ रुपए) कमाये थे जिसमें प्रति मैच 60 करोड़ रुपए (डिजिटल और टीवी) शामिल हैं। वहीं इस बार बीसीसीआई ने डिजिटल और टीवी अधिकारों के लिए अलग-अलग बोलियां रखी हैं। आईपीएल के दौरान मीडिया अधिकारों से ही उसे 48390 करोड़ रुपए की कमाई हुई जिसमें डिजिटल अधिकार रिलायंस ने और टीवी अधिकार स्टार टीवी ने खरीदे थे। नीलामी की प्रक्रिया आईपीएल की तरह ही ई-नीलामी के जरिए पूरी होगी। इसको लेकर एक प्रसारक का मानना है कि अभी कोई आंकड़ा बताना कठिन होगा पर पिछली बार की तुलना में डॉलर और रुपए का अनुपात भी बदल गया है परन्तु डिजिटल अधिकारों के लिए टीवी अधिकारों से अधिक पैसा मिल सकता है।

भारत के घरेलू मैचों के लिए डिजनी, स्टार, रिलायंस, वायकॉम प्रमुख दावेदार होंगे और जो बोली लगा सकते हैं अगर सितंबर के पहले सप्ताह में होने वाली नीलामी से पहले सोनी के साथ उसका विलय हो जाए।

अभी मेरा ध्यान वेस्टइंडीज के खिलाफ बचे हुए टी20 मैचों पर : चहल

जॉर्जटाउन। टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल ने कहा है कि अभी उनका ध्यान वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के बचे हुए मैचों में बेहतर प्रदर्शन करने पर लगा हुआ है। इसलिए वह एशिया कप और एकदिवसीय विश्व कप में जगह हासिल करने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। चहल अभी तक भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की नहीं कर पाये हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि इस सीरीज में अगर वह बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो इसका लाभ उन्हें मिलेगा। वहीं अब चहल ने कहा, मेरा ध्यान अभी केवल वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज पर है। साथ ही कहा कि उन चीजों के बारे में मत सोचो जो हाथ में नहीं हैं। मैं चरण दर चरण सोचता हूं। मैं एशिया कप या विश्व कप के बारे में नहीं सोच रहा हूं, मैं केवल वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के बारे में सोच रहा हूं। चहल ने इसके साथ ही वेस्टइंडीज के बल्लेबाज निकोलस पूरन के साथ अपनी प्रतिद्वंद्विता को स्वीकार करते हुए कहा कि ये दोस्ताना है। इस स्पिनर ने कहा, मैं पिछले कुछ समय से पूरन साथ खेल रहा हूं और मैंने उन्हें आउट कर दिया है, वहीं उन्होंने मेरे खिलाफ रन भी बनाए हैं। इस स्पिनर ने कहा, मुझे लड़ाई पसंद है, यह क्लब क्रिकेट नहीं है, बल्लेबाजों ने प्रदर्शन किया है इसलिए वह यहां है। इसी प्रकार मैं भी यहां पहुंचा हूं, इसलिए उसके साथ लड़ाई का आनंद लेता हूं, मुझे पता है कि अगर मैं उसे एक कमजोर गेंद दूंगा तो वह मेरे खिलाफ बड़े शॉट लगाने से पीछे नहीं हटेगा।

चाचा से भी आगे निकला भतीजा, अब्बास अफरीदी की गेंदबाजी का हर कोई है मुरीद

ब्रैम्पटन (एजेंसी)। इन दिनों पाकिस्तानी खिलाड़ी अब्बास अफरीदी की गेंदगाजी का हर कोई मुरीद हो रहा है। उन्होंने जिस तरह से प्रदर्शन किया इससे लग रहा है कि वह तो अपने चाचा उमर गुल से भी आगे निकल रहा है। पाकिस्तानी तेज गेंदबाज उमर गुल को भला कौन नहीं जानता है। एक समय जिनके नाम टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट का रिकॉर्ड दर्ज था। 2007 और 2009 टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के लिए सबसे सफल बोलर रहे उमर गुल अपनी सटीक यॉर्कर्स के लिए पहचाने जाते थे। अब कुछ ऐसा ही कमाल उनका भतीजा कर रहा है। ?मिली जानकारी के अनुसार ग्लोबल जी20 कनाडा लीग में वैंकूवर नाइट्स और मॉन्ट्रियल टाइगर्स के बीच मैच के दौरान उन्होंने कहर बरपाते हुए अविश्वसनीय हैट्रिक पूरी की। चार ओवर में सिर्फ 29 रन देकर कुल पांच विकेट झटके। दरअसल, 22 साल के अब्बास अफरीदी की कातिलाना गेंदबाजी के बूते ही उनकी टीम मॉन्ट्रियल टाइगर्स क्वालीफायर-2 जीतकर फाइनल में पहुंच गई, जहां आज सर्रे जगुआर्स से खिताबी टक्कर होनी है।

अफरीदी ने वृत्ति अरविंद को सिर्फ सात रन पर आउट कर अपने जादुई स्पैल की शुरुआत की। अरविंद के विकेट के बाद अब्बास ने लगातार दो गेंदों में पहले साउथ अफ्रीका के हार्ड-हिटर और नाइट्स के कप्तान रासी वान डेर डुसेन को चलता किया और फिर अफगानिस्तान के नजीबुल्लाह जादरान को आउट कर अफरीदी ने अपनी हैट्रिक पूरी की और इतिहास रच दिया। वह टूर्नामेंट के तीसरे सीजन में हैट्रिक लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए। इसके बाद तो अब्बास अफरीदी ने थमने का नाम नहीं लिया। वैंकूवर नाइट्स की पारी निर्धारित 20 ओवर्स में 137/6 पर रोक दी। छह में से पांच विकेट तो अब्बास अफरीदी के खाते में ही गए। अब्बास अफरीदी पाकिस्तान सुपर लीग का भी जाना पहचान नाम है। बीते सीजन मुल्तान सुल्तांस की ओर से उन्होंने टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट चटकाए थे।

एशियाई खेलों के संभावित खिलाड़ियों में शामिल जुडोका जसलीन सिंह सैनी डोप टेस्ट में फेल

नई दिल्ली । एशियाई खेलों के संभावित खिलाड़ियों में शामिल जुडोका जसलीन सिंह सैनी पिछले महीने ताइपे ओपन के दौरान किए गए डोप परीक्षण में प्रतिबंधित दवा के सेवन के दोषी पाए गए। सूत्रों ने यह जानकारी दी। इस 25 वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले महीने के शुरू में ताइपे एशिया ओपन में पुरुषों के 66 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था। इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले टीम के एक कोच ने कहा, 'वह ताइपे ओपन के दौरान एक अंतरराष्ट्रीय एजेंसी द्वारा किए गए डोप परीक्षण में विफल रहा है। इसलिए वह एशियाई खेलों की टीम में शामिल नहीं होगा।' अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) अंतरराष्ट्रीय जूडो महासंघ के लिए परीक्षण और परिणामों का प्रबंधन करती है। सैनी को 23 सितंबर से आठ अक्टूबर तक चीन के हांगझोउ में होने वाले एशियाई खेलों के लिए संभावित खिलाड़ियों में चुना गया था। भारतीय जूडो महासंघ ने अप्रैल में दिल्ली में चयन ट्रायल किया था लेकिन अभी तक अंतिम टीम का चयन नहीं किया गया है। सैनी पिछले दो महीनों में डोप परीक्षण में नाकाम रहने वाला पांचवां जुडोका है। राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा पिछले महीने भोपाल में राष्ट्रीय शिविर और दिल्ली में चयन ट्रायल के दौरान किए गए परीक्षण में हर्षदीप बरार (81 किग्रा), गुलाब अली मोहसिन (60 किग्रा), राहुल सेवता (81 किग्रा) और अक्षय (66 किग्रा) को प्रतिबंधित दवाओं के सेवन के लिए पॉजिटिव पाया गया था। इन चारों खिलाड़ियों को अस्थाई रूप से निलंबित किया गया है।

अदिति कंपाउंड वर्ग में सबसे युवा विश्व चैम्पियन बनीं, देवताले ने पुरुष वर्ग में जीता स्वर्ण

बर्लिन (एजेंसी)। जूनियर विश्व खिताब जीतने के दो महीने से भी कम समय में भारत की 17 साल की अदिति स्वामी विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप के कंपाउंड महिला फाइनल में शनिवार को यहां मैक्सिको की एंड्रिया बेसेरा को हराकर सबसे कम उम्र में सीनियर विश्व चैंपियन बनी। वह इस स्पर्धा में व्यक्तिगत स्वर्ण जीतने वाली देश की पहली खिलाड़ी है। ओजस देवताले ने पुरुषों के कंपाउंड वर्ग में 150 के सटीक स्कोर के साथ खिताब जीता जिससे भारत ने अपने अभियान का अंत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ किया। भारत ने इसमें तीन स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता। महाराष्ट्र के नागपुर के रहने वाले शांत और धैर्यवान देवताले ने रोमांचक फाइनल मुकाबले में पोलैंड के लुकाज प्रिजीबिल्स्की को एक अंक से हराया। कंपाउंड वर्ग के तीरंदाजों ने जहां शानदार प्रदर्शन किया वहीं ओलंपिक में शामिल रिकर्व वर्ग के तीरंदाज पूरी तरह से असफल रहे और खाली हाथ लौटे। अदिति और देवताले

दोनों सतारा में एक ही अकादमी में कोच प्रवीण सावंत की देखरेख में प्रशिक्षण लेते हैं।

सतारा की 12वीं कक्षा की छात्रा अदिति ने जुलाई में लिमरिक में युवा चैंपियनशिप में अंडर-18 का खिताब जीता था। उन्होंने यहां फाइनल में संभावित 150 अंकों में से 149 अंक के साथ मैक्सिको की खिलाड़ी को दो अंक से पछाड़ा। चैम्पियनशिप की 16वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी एंड्रिया ने फाइनल में पहुंचने के क्रम में कई दिग्गजों को हराया था जिसमें प्री-क्वार्टर फाइनल में मौजूदा चैंपियन सारा लोपेज को मात देना भी शामिल है। एंड्रिया को फाइनल में छठी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी से शुरुआत से ही कड़ी चुनौती मिली। अदिति के शुरूआती तीनों तीर से निशाने के केंद्र में लगे जिससे उन्होंने पहले दौर में 30-29 की बढ़त बना ली। उन्होंने लय को जारी रखते हुए अगले तीन दौर में इस प्रदर्शन को दोहराया और तीन अंक की बढ़त बना ली। आखिरी दौर में उन्होंने एक निशाना नौ अंक का लगाया जबकि बाकी दो से 10-10 अंक बटोर कर कुल 149 अंक जुटाये। एंड्रिया 147 अंक ही बना सकी। इस प्रतियोगिता में यह उनका दूसरा स्वर्ण पदक है। अदिति ने परनीत कौर और ज्योति सुरेखा वेन्नम के साथ शुक्रवार को कंपाउंड महिला टीम फाइनल जीतकर भारत के लिए पहली बार विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप का स्वर्ण पदक हासिल किया था।

महिला विश्व कप : दक्षिण अफ्रीका को हराकर नीदरलैंड क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

सिडनी । नीदरलैंड ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद रविवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को 2-0 से हराकर महिला विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जिल रूड और लिनेथ बीरेनस्टीन ने सिडनी फुटबॉल स्टेडियम में प्रत्येक हाफ में गोल करके 2019 के उपविजेता को अंतिम आठ में जगह दिलाई। टूर्नामेंट में उलटफेर भरी जीत दर्ज करके नॉकआउट चरण में पहुंचने वाले दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड को आसानी से जीत दर्ज नहीं करने दी। नीदरलैंड की गोलकीपर डाफने वान डोमसेलर की तारीफ करनी होगी जिन्होंने थेम्बी कगाटलाना के कई हमलों को नाकाम किया। नीदरलैंड क्वार्टर फाइनल में स्पेन से भिड़ेगा लेकिन उसकी स्टार खिलाड़ी वान डी डोन्क दूसरा पीला कार्ड मिलने के कारण इस मैच में नहीं खेल पाएगी।

डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट : मारिया सक्कारी और कोको गॉफ में होगा खिताबी मुकाबला

वाशिंगटन । मारिया सक्कारी ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला को हराकर डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया जहां उनका सामना कोको गॉफ से होगा। यूनान की 28 वर्षीय खिलाड़ी सक्कारी ने पेगुला को 6-3, 4-6, 6-2 से पराजित किया। वह पहला सेट जीतने के बाद दूसरे सेट में भी 4-1 से आगे चल रही थी लेकिन पेगुला ने वापसी करके मुकाबले को तीसरे सेट तक खींच दिया। एक अन्य सेमीफाइनल में गॉफ ने गत चैंपियन ल्यूडमिला सैमसोनोवा को 6-3, 6-3 से हराया। सक्कारी अब तक हार्ड कोर्ट पर खेले जाने वाले टूर्नामेंट में पांच बार फाइनल में पहुंची है लेकिन खिताब जीतने में नाकाम रही है।

अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप में भी खेलना चाहते हैं रोहित

फ्लोरिडा (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि वह अगले साल होने वाले 2024 टी20 विश्वकप में भी खेलेंगे। रोहित ने ये घोषणा अमेरिका में की है। इससे पहले माना जा रहा था कि रोहित बढ़ती उम्र के कारण अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप में नहीं खेल पायेंगे। रोहित अभी 36 साल के हो गए हैं। ऐसे में माना जा रहा था कि वह उनके अगले साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में संयुक्त रूप से होने वाले टी20 विश्वकप में शायद ही खेलें। रोहित ने अमेरिका में अपनी एक क्रिकेट एकेडमी भी खोली है। पिछले दिनों अमेरिका में पहली बार फ्रेंचाइजी लीग टी20 टूर्नामेंट हुआ था। इसमें पहले सत्र का खिताब मुंबई इंडियंस की ही फ्रेंचाइजी टीम एमआई न्यूयॉर्क ने जीता था। यहां भारतीय टीम ऑलराउंडर हार्दिक पंडया की कप्तानी में वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम20 मुकाबला खेलने पहुंची है। वहीं रोहित को इस रीज के लिए आराम दिया गया है।

रोहित ने कैलिफोर्निया में एकेडमी की शुरुआत करते हुए कि अगले साल भी टी20 विश्व कप अमेरिका में ही आयोजित किया जाएगा। इसलिए मैं यहां फिर से आने के लिए तैयार हूं। इस तरह से उन्होंने अपनी दावेदारी बरकरार रखी है। वहीं घरेलू धरती पर अक्टूबर-नवंबर में होने वाले एकदिवसीय कप को लेकर उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट में सभी टीमें अच्छी हैं। हमारे खिलाड़ी भी लय में हैं और हमारे पास विश्वकप कप जीतने का अच्छा अवसर है। रोहित के अलावा अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली भी टी20 टीम से बाहर हैं। ये दोनों ही अब इस माह के अंत में होने वाले एशिया कप में उतरेंगे। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान का मुकाबला 2 सितंबर को होगा। एकदिवसीय विश्वकप में भारतीय टीम का प्रदर्शन रोहित के लिए अहम रहेगा। इसमें यदि टीम जीती तो उन्हें अपने करियर में इसका लाभ होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिंदू धर्म के बाद किस धर्म की उत्पत्ति हुई?

वैसे हिंदू धर्म के बाद बहुत से प्राचीन धर्मों का उल्लेख किया जा सकता है, जैसे पेगन, वूडू आदि लेकिन हिंदू-जैन के बाद यहूदी धर्म ही एकमात्र ऐसा धर्म था जिसने धर्म को एक नहीं व्यवस्था में ढाला और उसे एक नई दिशा और संस्कृति दी। हजरत आदम से लेकर अब्राहम और अब्राहम से लेकर मूसा तक की परंपरा यहूदी धर्म का हिस्सा है। यह सभी कहीं न कहीं हिंदू धर्म की परंपरा से जुड़े थे। ऐसा माना जाता है कि राजा मनु को ही यहूदी लोग हज. नूह कहते थे। दुनिया के सबसे प्राचीन धर्मों में से एक है यहूदी धर्म। लगभग 4000 साल पुराना यह धर्म वर्तमान में इसराइल का राजधर्म है। यहूदी धर्म की शुरुआत पैगंबर हजरत इब्राहिम (अबराहम या अब्राहम) से मानी जाती है, जो ईसा से 2000 वर्ष पूर्व हुए थे। हज.इब्राहिम के बाद यहूदी इतिहास में सबसे बड़ा नाम 'पैगंबर मूसा' का है। हजरत मूसा ही यहूदी जाति के प्रमुख व्यवस्थाकार हैं। ह.मूसा को ही पहले से चली आ रही एक परंपरा को स्थापित करने के कारण यहूदी धर्म का संस्थापक माना जाता है। हज.मूसा के बाद यहूदियों को विश्वास है कि कयामत के समय हमारा अगला पैगंबर आएगा। मूसा मिस्र के फराओ के जमाने में हुए थे। दुनिया के प्राचीन धर्मों में से एक यहूदी धर्म से ही ईसाई और इस्लाम धर्म की उत्पत्ति हुई है। इस्लाम की एक ईश्वर की परिकल्पना, खतना, बुतपरस्ती का विरोध, नमाज, हज, रोजा, जकात, सूदखोरी का विरोध, कयामत, कोशर (हराम-हलाल), पवित्र दिन (सब्बाब), उम्माह जैसी सभी बातें यहूदी धर्म से ली गई हैं। पवित्र पवित्र भूमि, धार्मिक ग्रंथ, अंजील, हदीस और ताल्मुद की कल्पना एक ही है। ईसाई और इस्लाम में आदम, हव्वा, इब्राहीम, नूह, दावूद, इसाक, इस्माइल, इल्यास, सोलोमन आदि सभी ऐतिहासिक और महान लोग यहूदी परंपरा से ही है। हजरत अब्राहम को यहूदी, मुसलमान और ईसाई तीनों धर्मों के लोग अपना पितामह मानते हैं। आदम से अब्राहम और अब्राहम से मूसा तक यहूदी, ईसाई और इस्लाम सभी के पैगंबर एक ही है किंतु मूसा के बाद यहूदियों को अपने अगले पैगंबर के आने का अब भी इंतजार है।

आखिर क्या फायदा होगा नैवेद्य अर्पित कर उसे खाने से?

- मन और मस्तिष्क को स्वच्छ, निर्मल और सकारात्मक बनाने के लिए हिन्दू धर्म में कई रीति-रिवाज, परंपरा और उपाय निर्मित किए गए हैं। सकारात्मक भाव से मन शांतचित्त रहता है। शांतचित्त मन से ही व्यक्ति के जीवन के संताप और दुख मिटते हैं।
- जब किसी अन्न को भगवान को समर्पित कर दिया जाता है तो उसमें दिव्यता समाहित हो जाती है। वह और भी पवित्र और गुण वाला बन जाता है, जो हमारे शरीर को पुष्ट करता है। गिलास भर पानी पीने से कहीं अच्चा चरणामृत होता है जो हृदय को सेहतमंद बनाता है।
- लगातार प्रसाद वितरण करते रहने के कारण लोगों के मन में भी आपके प्रति अच्छे भावों का विकास होता है। इससे किसी के भी मन में आपके प्रति राग-द्वेष नहीं पनपता और आपके मन में भी उसके प्रति प्रेम रहता है।
- लगातार भगवान से जुड़े रहने से चित्त की दशा और दिशा बदल जाती है। इससे दिव्यता का अनुभव होता है और जीवन के संकटों में आत्मबल प्राप्त होता है। देवी और देवता भी संकटों के समय साथ खड़े रहते हैं।
- भजन, कीर्तन, नैवेद्य आदि धार्मिक कर्म करने से जहां भगवान के प्रति आस्था बढ़ती है वहीं शांति और सकारात्मक भाव का अनुभव होता रहता है। इससे इस जीवन के बाद भगवान के उस धाम में भगवान की सेवा की प्राप्ति होती है और अगला जीवन और भी अच्छे से शांति व समृद्धिपूर्वक व्यतीत होता है।
- श्रीमद्भगवद्गीता के अनुसार अंत में हमें उन्हीं देवी-देवताओं के स्वर्ग, इत्यादि धामों में वास मिलता है जिसकी हम आराधना करते रहते हैं।
- श्रीमद् भगवद् गीता में भगवान श्रीकृष्ण, अर्जुन के माध्यम से हमें यह भी बताते हैं कि देवी-देवताओं के धाम जाने के बाद फिर पुनर्जन्म होता है अर्थात देवी-देवताओं का भजन करने से, उनका प्रसाद खाने से व उनके धाम तक पहुंचने पर भी जन्म-मृत्यु का चक्र खत्म नहीं होता है। (श्रीगीता 8/16)।

कितने प्रकार के होते हैं भूत

हिन्दू धर्म में गति और कर्म अनुसार मरने वाले लोगों का विभाजन किया है- भूत, प्रेत, पिशाच, कूष्मांडा, ब्रह्मराक्षस, वेताल और क्षेत्रपाल। उक्त सभी के उप भाग भी होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार 18 प्रकार के प्रेत होते हैं। भूत सबसे शुरुआती पद है या कहें कि जब कोई आम व्यक्ति मरता है तो सर्वप्रथम भूत ही बनता है। इसी तरह जब कोई स्त्री मरती है तो उसे अलग नामों से जाना जाता है। माना गया है कि प्रसुता, स्त्री या नवयुवती मरती है तो चुड़ैल बन जाती है और जब कोई कुंवारी कन्या मरती है तो उसे देवी कहते हैं। जो स्त्री बुरे कर्मों वाली है उसे डायन या डाकिनी करते हैं। इनसभी की उत्पति अपने पापों, व्याभिचार से, अकाल मृत्यु से या श्राद्ध न होने से होती है।

पुरुषों का भूत - हिन्दू धर्म में गति और कर्म अनुसार मरने वाले लोगों का विभाजन किया गया है- भूत, प्रेत, पिशाच, कूष्मांडा, ब्रह्मराक्षस, वेताल और क्षेत्रपाल। सभी को यम के अधीन रहना होता है। आर्यमा नामक देवता को पितरों का अधिपति कहा गया है, जो चंद्रमंडल में रहते हैं। उक्त सभी के उपभाग भी होते हैं। आयुर्वेद के अनुसार 18 प्रकार के प्रेत होते हैं। भूत सबसे शुरुआती पद है या कहें कि जब कोई आम व्यक्ति मरता है, तो सर्वप्रथम भूत ही बनता है। प्रेत योनि में जाने वाले लोग अदृश्य और बलवान हो जाते हैं। सभी मरने वाले इसी योनि में नहीं जाते और सभी मरने वाले अदृश्य तो होते हैं, लेकिन बलवान नहीं होते। यह आत्मा के कर्म और गति पर निर्भर करता है। बहुत से भूत या प्रेत योनि में न जाकर पुन: गर्भधारण कर मानव बन जाते हैं। पितृ पक्ष में हिन्दू अपने पितरों का तर्पण करते हैं। इससे सिद्ध होता है कि पितरों का अस्तित्व आत्मा अथवा भूत-प्रेत के रूप में होता है। गरूड़ पुराण में भूत-प्रेतों के विषय में विस्तृत वर्णन मिलता है। श्रीमद्भागवत पुराण में भी धुंधकारी के प्रेत बन जाने का वर्णन आता है।

स्त्री का भूत - हालांकि स्त्री और पुरुष एक शरीरिक विभाजन है तथा आत्मिक तौर पर कोई स्त्री और पुरुष नहीं होता। लेकिन जिसके चित्त की दशा जैसी होती है उसे वैसी योनि प्राप्त होती है। यदि कोई आत्मा स्त्री बनकर रही है तो वह खुद को अनंतकाल तक स्त्री ही महसूस करते हुए अन्य योनियां धारण करेगी। खैर! जब कोई स्त्री मरती है तो उसे अलग नामों से जाना जाता है। माना गया है कि प्रसूता स्त्री या नवयुवती मरती है तो चुड़ैल बन जाती है और जब कोई कुंआरी कन्या मरती है तो उसे देवी कहते हैं। जो स्त्री बुरे कर्मों वाली है उसे डायन या डाकिनी कहते हैं। इन सभी की उत्पत्ति अपने पापों, व्यभिचार, अकाल मृत्यु या श्राद्ध न होने से होती है।

प्रेतबाधा : भूतादि से पीड़ित व्यक्ति की पहचान उसके स्वभाव एवं क्रिया में आए बदलाव से की जाती है। अलग-अलग स्वभाव में परिवर्तन के अनुसार जाना जाता है कि व्यक्ति कौन से भूत से पीड़ित है।

भूत पीड़ा : यदि किसी व्यक्ति को भूत लग गया है, तो वह पागल की तरह बात करने लगता है। मूढ़ होने पर भी वह किसी बुद्धिमान पुरुष जैसा व्यवहार भी करता है। गुस्सा आने पर वह कई व्यक्तियों को एक साथ पछाड़ सकता है। उसकी आंखें लाल हो जाती हैं और देह में सदा कंपन बना रहता है।

पिशाच पीड़ा : पिशाच प्रभावित व्यक्ति सदा खराब कर्म करना है, जैसे नग्न हो जाना, नाली का पानी पीना, दूषित भोजन करना, कटु वचन कहना आदि। वह सदा गंदा रहता है और उसकी देह से बदबू आती है। वह एकांत चाहता है। इससे वह कमजोर होता जाता है।

प्रेत पीड़ा : प्रेत से पीड़ित व्यक्ति चिल्लाता और इधर-उधर भागता रहता है। वह किसी का कहना नहीं सुनता। वह हर समय बुरा बोलता रहता है। वह खाता-पीता नही हैं और जोर-जोर से श्वास लेता रहता है।

शाकिनी पीड़ा : शाकिनी से ज्यादातर महिलाएं ही पीड़ित रहती हैं। ऐसी महिला को पूरे बदन में दर्द बना रहता है और उसकी आंखों में भी दर्द रहता है। वह अक्सर बेहोश भी हो जाती है। कांपते रहना, रोना और चिल्लाना उसकी आदत बन जाती है।

चुड़ैल पीड़ा : चुड़ैल भी ज्यादातर किसी महिला को ही लगती है। ऐसी महिला यदि शाकाहारी भी है तो मांस खाने लग जाएगी। वह कम बोलती, लेकिन मुस्कुराती रहती है। ऐसी महिला कब क्या कर देगी? कोई भरोसा नहीं।

यक्ष पीड़ा : यक्ष से पीड़ित व्यक्ति लाल रंग में रुचि लेने लगता है। उसकी आवाज धीमी और चाल तेज हो जाती है। वह ज्यादातर आंखों से इशारे करता रहता है। इसकी आंखें तांबे जैसी और गोल दिखने लगती हैं।

ब्रह्मराक्षस पीड़ा : जब किसी व्यक्ति को ब्रह्मराक्षस लग जाता है, तो ऐसा व्यक्ति बहुत ही शक्तिशाली बन जाता है। वह हमेशा खामोश रहकर अनुशासन में जीवन-यापन करता है। इसे ही 'जिन्न' कहते हैं। ये बहुत सारा खाना खाते हैं और घंटों तक एक जैसी ही अवस्था में बैठे या खड़े रहते हैं। जिन्न से ग्रस्त व्यक्ति का जीवन सामान्य होता है। ये घर के किसी सदस्य को परेशान भी नहीं करते हैं, बस अपनी ही मस्ती में मस्त रहते हैं। जिन्नों को किसी के शरीर से निकालना अत्यंत ही कठिन होता है।

इस तरह से और भी कई तरह के भूत होते हैं जिनके अलग-अलग लक्षण और लक्ष्य होते हैं। उपरोक्त जानकारी शास्त्रों के आधार है।

कामदेव को पुत्र की तरह पालने के बाद रति ने उनसे कर लिया विवाह

जिस तरह पश्चिमी देशों में क्यूपिड और यूनानी देशों में इरोस को प्रेम का प्रतीक माना जाता है, उसी तरह हिन्दू धर्मग्रंथों में कामदेव को प्रेम और आकर्षण का देवता कहा जाता है। पौराणिक कथाओं के अनुसार कामदेव भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी के पुत्र हैं। उनका विवाह रति नाम की देवी से हुआ था, जो प्रेम और आकर्षण की देवी मानी जाती है। कुछ कथाओं में यह भी उल्लिखित है कि कामदेव स्वयं ब्रह्माजी के पुत्र हैं और इनका संबंध भगवान शिव से भी है। कुछ जगह पर धर्म की पत्नी श्रद्धा से इनका आविर्भाव हुआ माना जाता है। जोभी हो हम एक रोचक पौराणिक कथा पढ़ते हैं। कामदेव को सुनहरे पंखों से युक्त एक सुंदर नवयुवक की तरह प्रदर्शित किया गया है जिनके हाथ में धनुष और बाण हैं। ये तोते के रथ पर मकर (एक प्रकार की मछली) के चिह्न से अंकित लाल ध्वजा लगाकर विचरण करते हैं। वैसे कुछ शास्त्रों में हाथी पर बैठे हुए भी बताया गया है। वसंत ऋतु के देवता कामदेव की पूजा वसंत पंचमी की जाती है। उनके कई नाम है जिममें से मदन की प्रसिद्ध है। असम में है उनका खास मंदिर। मदन-कामदेव मंदिर को 'असम का खजुराहो' के नाम से जाना जाता है। यह मंदिर घने जंगलों के भीतर पेड़ों से छुपा हुआ है। कहते हैं कि भगवान शंकर द्वारा तृतीय नेत्र खोलने पर भस्म हो गए कामदेव का इस स्थान पर पुनर्जन्म तथा उनकी पत्नी रति के साथ पुन: मिलन हुआ था।

पौराणिक कथा

पौराणिक कथाओं के अनुसार एक समय ब्रह्माजी प्रजा वृद्धि की कामना से ध्यानमग्न थे। उसी समय उनके अंश से तेजस्वी पुत्र काम उत्पन्न हुआ और कहने लगा कि मेरे लिए क्या आज्ञा है? तब ब्रह्माजी बोले कि मैंने सृष्टि उत्पन्न करने के लिए प्रजापतियों को उत्पन्न किया था किंतु वे सृष्टि रचना में समर्थ नहीं हुए इसलिए मैं तुम्हें इस कार्य की आज्ञा देता हूं। यह सुन कामदेव वहां से विदा होकर अदृश्य हो गए। यह देख ब्रह्माजी क्रोधित हुए और शाप दे दिया कि तुमने मेरा वचन नहीं माना इसलिए तुम्हारा जल्दी ही नाश हो जाएगा। शाप सुनकर कामदेव भयभीत हो गए और हाथ जोड़कर ब्रह्माजी के समक्ष क्षमा मांगने लगे। कामदेव की अनुनय-विनय से ब्रह्माजी प्रसन्न हुए। उन्होंने कहा कि मैं तुम्हें रहने के लिए 12 स्थान देता हूं- स्त्रियों के कटाक्ष, केश राशि, जंघा, वक्ष, नाभि, जंघमूल, अधर, कोयल की कूक, चांदनी, वर्षाकाल, चैत्र और वैशाख महीना। इस प्रकार कहकर ब्रह्माजी ने कामदेव को पुष्प का धनुष और 5 बाण देकर विदा कर दिया।

इन पांच बाणों के नाम हैं- 1.मारण, 2.स्तम्भन, 3.जृम्भन, 4.शोषण, 5.उम्मादन (मन्मथ)। उनका धनुष मिठास से भरे गन्ने का बना होता है जिसमें मधुमक्खियों के शहद की रस्सी लगी है। उनके धनुष का बाण अशोक के पेड़ के महकते फूलों के अलावा सफेद, नीले कमल, चमेली और आम के पेड़ पर लगने वाले फूलों से बने होते हैं। ब्रह्माजी से मिले वरदान की सहायता से कामदेव तीनों लोकों में भ्रमण करने लगे और भूत, पिशाच, गंधर्व, यक्ष सभी को काम ने अपने वशीभूत कर लिया। फिर मछली का ध्वज लगाकर कामदेव अपनी पत्नी रति के साथ संसार के सभी प्राणियों को अपने वशीभूत करने बढ़े। इसी क्रम में वे शिवजी के पास पहुंचे। भगवान शिव तब तपस्या में लीन थे तभी कामदेव छोटे से जंतु का सूक्ष्म रूप लेकर कर्ण के छिद्र से भगवान शिव के शरीर में प्रवेश कर गए। इससे शिवजी का मन चंचल हो गया। उन्होंने विचार धारण कर चित्त में देखा कि कामदेव उनके शरीर में स्थित है। इतने में ही इच्छा शरीर धारण करने वाले कामदेव भगवान शिव के शरीर से बाहर आ गए और आम के एक वृक्ष के नीचे जाकर खड़े हो गए। फिर उन्होंने शिवजी पर मोहन नामक बाण छोड़ा, जो शिवजी के हृदय पर जाकर लगा। इससे क्रोधित हो शिवजी ने अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से उन्हें भस्म कर दिया। कामदेव को जलता देख उनकी पत्नी रति विलाप करने लगी। तभी आकाशवाणी हुई जिसमें रति को रुदन न करने और भगवान शिव की आराधना करने को कहा गया। फिर रति ने श्रद्धापूर्वक भगवान शंकर की प्रार्थना की। रति की प्रार्थना से प्रसन्न हो शिवजी ने कहा कि कामदेव ने मेरे मन को विचलित किया था इसलिए मैंने इन्हें भस्म कर दिया। अब अगर ये अनंग रूप में महाकाल वन में जाकर शिवलिंग की आराधना करेंगे तो इनका उद्धार होगा। तब कामदेव महाकाल वन आए और उन्होंने पूर्ण भक्तिभाव से शिवलिंग की उपासना की। उपासना के फलस्वरूप शिवजी ने प्रसन्न होकर कहा कि तुम अनंग, शरीर के बिन रहकर भी समर्थ रहोगे। कृष्णावतार के समय तुम रुक्मणि के गर्भ से जन्म लोगे और तुम्हारा नाम प्रद्युम्न होगा।

श्रीकृष्ण और कामदेव

पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण को भी कामदेव ने अपने नियंत्रण में लाने का प्रयास किया था। कामदेव ने भगवान श्रीकृष्ण से यह शर्त लगाई कि वे उन्हें भी स्वर्ग की अप्सराओं से भी सुंदर गोपियों के प्रति आसक्त कर देंगे। श्रीकृष्ण ने कामदेव की सभी शर्त स्वीकार की और गोपियों संग रास भी रचाया लेकिन फिर भी उनके मन के भीतर एक भी क्षण के लिए वासना ने घर नहीं किया।

रति ने पाला कामदेव को पुत्र की तरह फिर उनसे कर लिया विवाह

जब शिव ने कामदेव को भस्म कर दिया तब ये देख रति विलाप करने लगी तब जाकर शिव ने कामदेव के पुन: कृष्ण के पुत्र रूप में धरती पर जन्म लेने की बात बताई। शिव के कहे अनुसार भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मणि को प्रद्युम्न नाम का पुत्र हुआ, जो कि कामदेव का ही अवतार था। कहते हैं कि श्रीकृष्ण से दुश्मनी के चलते राक्षस शंभरासुर नवराज प्रद्युम्न का अपहरण करके ले गया और उसे समुद्र में फेंक आया। उस शिशु को एक मछली ने निगल लिया और वो मछली मछुआरों द्वारा पकड़ी जाने के बाद शंभरासुर के रसोई घर में ही पहुंच गई। तब रति रसोई में काम करने वाली मायावती नाम की एक स्त्री का रूप धारण करके रसोईघर में पहुंच गई। वहां आई मछली को उसने ही काटा और उसमें से निकले बच्चे को मां के समान पाला-पोसा। जब वो बच्चा युवा हुआ तो उसे पूर्व जन्म की सारी याद दिलाई गई। इतना ही नहीं, सारी कलाएं भी सिखाईं तब प्रद्युम्न ने शंभरासुर का वध किया और फिर मायावती को ही अपनी पत्नी रूप में द्वारका ले आए।

मुद्गल पुराण के अनुसार कामदेव का वास यौवन, स्त्री, सुंदर फूल, गीत, पराग कण या फूलों का रस, पक्षियों की मीठी आवाज, सुंदर बाग-बगीचों, वसंत ऋतु, चंदन, काम-वासनाओं में लिप्त मनुष्य की संगति, छुपे अंग, सुहानी और मंद हवा, रहने के सुंदर स्थान, आकर्षक वस्त्र और सुंदर आभूषण धारण किए शरीरों में रहता है। इसके अलावा कामदेव स्त्रियों के शरीर में भी वास करते हैं, खासतौर पर स्त्रियों के नयन, ललाट, भौंह और होठों पर इनका प्रभाव काफी रहता है।

कामदेव मंत्र

कामदेव के बाण ही नहीं, उनका 'क्लीं मंत्र' भी विपरीत लिंग के व्यक्ति को आकर्षित करता है। कामदेव के इस मंत्र का नित्य दिन जाप करने से न सिर्फ आपका साथी आपके प्रति शारीरिक रूप से आकर्षित होगा बल्कि आपकी प्रशंसा करने के साथ-साथ वह आपको अपनी प्राथमिकता भी बना लेगा। कहा जाता है कि प्राचीनकाल में वेश्याएं और नर्तिकयां भी इस मंत्र का जाप करती थीं, क्योंकि वे अपने प्रशंसकों के आकर्षण को खोना नहीं चाहती थीं। ऐसा माना जाता है कि इस मंत्र का लगातार जाप करते रहने की वजह से उनका आकर्षण, सौंदर्य और कांति बरकरार रहती थी।

तीसरी क्लास के बाद पढ़ाई बंद, लड़कियों की शिक्षा पर तालिबान ने लगाई रोक

काबुल । तालिबान ने एक बार फिर लड़कियों की शिक्षा पर रोक लगा दी है। नये फरमान में कहा है कि अब लड़कियां केवल तीसरी कक्षा तक ही पढ़ सकती हैं, इसके बाद उनका स्कूल जाना बंद कर दिया है। साथ ही 10 साल से ऊपर की लड़कियां अब प्रायमरी स्कूलों में नहीं पढ़ेंगी। गौरतलब है कि तलिबान हमेशा से अपने क्रूर फैसलों के कारण सुर्खियों में रहता है। अब हाल ही में तालिबान की सरकार ने महिलाओं की पढ़ाई पर रोक लगाने से हड़कंप मच गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वहां की सरकार ने एक नया फरमान जारी करते हुए कहा कि तीसरी कक्षा के बाद अब लड़कियां स्कूल नहीं जा पाएंगी भले ही उनकी उम्र 10 साल से ज्यादा क्यों न हो। इसके लिए उन्होंने स्कूल और एजुकेशन इंस्टीट्यूट्स को भी वॉर्निंग दे दी है कि 10 साल से ऊपर की सारी लड़कियां अब प्राइमरी स्कूल में नहीं पढ़ेंगी। आपको बता दें कि इससे पहले तालिबान में लड़कियों को सिर्फ 6वीं कक्षा तक ही स्कूलों में पढ़ने की इजाजत थी परंतु अब सरकार ने और भी कम कर दिया है। इससे पहले महिलाओं को ब्यूटी पार्लर और नौकरी करने के लिए भी प्रतिबंध है। वहां पर महिलाओं को ड्राइविंग लाइसेंस देना भी बंद कर दिया गया और बुरके व किसी पुरुष साथी के बिना महिलाओं की टैक्सी सवारी पर भी प्रतिबंध लगाया हुआ है। इस अमल में लाने के लिए तालिबानी सरकार ने अब स्कूलों और शिक्षा केंद्रों को भी निर्देश दे दिया है कि लड़कियां को प्राइमरी स्कूलों में जाने की अनुमति न दी जाए। भले ही उनकी उम्र 10 साल से ज्यादा क्यों न हो। शिक्षा मंत्रालयों के अधिकारियों ने स्कूलों और अल्पकालिक प्रशिक्षण कक्षाओं के प्रिंसपलों से भी यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि 10 साल से ज्यादा उम्र की लड़कियां अब प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ने की अनुमति न दी जाए। वहीं रिपोर्ट्स की मानें तो कई जगहों में गुड एंड प्रोहिबिशन मंत्रालय के स्थानीय अधिकारियों ने लड़कियों को उनकी उम्र को देखते हुए अलग करने और लड़कियों के स्कूल चलाने वाले प्रिंसिपलों से तीसरी कक्षा से ऊपर के बच्चों को वापस भेजने के लिए भी कहा है। इस पर छठी कक्षा की एक लड़की ने मीडिया को बताया कि हमें कहा है कि लंबी और 10 साल से ज्यादा उम्र की लड़कियों को अब स्कूल में प्रवेश नहीं करने देंगे। हालां ?कि सार्वजनिक मामलों के मंत्रालय के प्रवक्ता मोहम्मद सादिक अकाफ ने इसका खंडन करते हुए कहा कि प्रशासन ने ऐसा कुछ भी नहीं किया है और अगर ऐसा है तो इस बात का संबंध शिक्षा मंत्रालय से ही होगा। गौरतलब है कि दो साल पहले तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया था जिसके बाद लड़कियों को छठी(6वीं) कक्षा के बाद स्कूलों में जाने के लिए रोक लगा दी थी।

बाढ़ के कहर ने ले ली 30 की जान, लाखों लोग हो गए बेघर

बीजिंग । चीन में इन दिनों भयंकर बाढ़ आई हुई है। जिसके कारण अभी तक 30 लोगों की जान चली गई है। वहीं लाखों लोगों के बेघर होने के समाचार हैं। चीन में टाइफून डोक्सुरी के मुख्य भूमि से टकराने से भीषण बारिश हुई। यहां पर बारिश ने चीन के 140 साल के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। बीजिंग और उसके 150 किलोमीटर के क्षेत्र में बाढ़ का भयावह मंजर दिखाई दे रहा है। यहां शनिवार दोपहर 4 बजे तक, बाओडिंग के 11.5 करोड़ निवासियों में से 60 लाख से अधिक लोगों को जोखिम वाले क्षेत्रों से निकाला गया। वहीं, पूर्वोत्तर चीन में शनिवार को हुई मूसलाधार बारिश ने रूस और उत्तर कोरिया की सीमा से लगे प्रांतों को बुरी तरह प्रभावित किया है। गौरतलब है कि चीन पिछले महीने से प्राकृतिक आपदा का सामना कर रहा है। यहां जुलाई में भीषण गर्मी के साथ साथ बाढ़ भी कहर मचाए हुए था। अब बीजिंग में टाइफून डोक्सुरी से भीषण बारिश हो रही है। यहां जुलाई से अब तक 142 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 147 लोगों की गायब होने की खबर है। इससे पहले चीन में 1998 में यांगत्जे नदी में आए भीषण बाढ़ में 4,150 लोगों की मौत हुई थी।

वैज्ञानिकों ने खोजा मलेरिया का बैक्टीरिया

वाशिंगटन। जॉन्स हापकिंस विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने, स्पेन की जीएसके फार्मास्युटीकल के साथ मिलकर शोध किया। जिसमें डॉक्टर जेनिथ रोड्रिग्स ने मच्छरों की भर्ती संक्रमण दर देखी, पाया कि टीसी 1 नाम का प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाला बैक्टीरिया, मच्छरों की आंतों में मलेरिया पैरासाइट को पैदा करने से रोक देता है। यह बैक्टीरिया एक बार मच्छरों में घुस जाए,तो उनके पूरे जीवन काल तक बना रहता है। इस बैक्टीरिया में मच्छरों में मलेरिया फैलाने की क्षमता को 73 फ़ीसदी तक कम करने में सफलता हासिल की है। शोधकर्ताओं के अनुसार मलेरिया से निपटने का बड़ा मददगार शोध साबित हुआ है। भविष्य में मलेरिया की रोकथाम के लिए इस शोध का बहुत बड़ा लाभ होगा।

दक्षिणी कोरिया में गर्मी से लोग परेशान

दक्षिणी कोरिया । दक्षिण कोरिया में दम घोंटू गर्मी ने लोगों को मुश्किल में डाल दिया है। यहां इन दिनों विश्व स्काउट जंबूरी में भाग लेने वाले हजारों यूके और यूएस स्काउट्स गर्मी से परेशान हो गए हैं। अब इन युवाओं के शिविर को हटाकर होटलों में शिफ्ट किया जा रहा है। इस सप्ताह शुरू हुए इस आयोजन में 158 देशों से 43,000 युवा स्काउट्स शामिल हुए हैं, जिनमें ब्रिटेन का दल सबसे बड़ा 4,500 है। दक्षिणी कोरिया में गर्मी के कारण लोग बीमार हो रहे हैं। सैकड़ों युवाओं को दवाई की जरूरत पड़ी है। दो दिन पहले 138 लोगों ने गर्मी से संबंधित बीमारियों के साथ क्लिनिकों और अस्पतालों का दौरा किया, जिससे कुल संख्या 700 से अधिक हो गई। एक बयान में यूके स्काउट्स ने कहा कि युवाओं और वयस्क स्वयंसेवकों को होटल आवास में ले जाना शुरू कर दिया है। इसमें कहा गया है, चूंकि हम सबसे बड़े दल हैं, हमारी आशा है कि इससे साइट पर दबाव कम करने में मदद मिलेगी। जब हम जंबूरी में थे, यूके की स्वयंसेवी टीम ने आयोजकों के साथ बहुत मेहनत की है, हमारे युवा सदस्यों और वयस्क स्वयंसेवकों को उन्हें बनाए रखने के लिए पर्याप्त भोजन और पानी, असामान्य रूप से गर्म मौसम से आश्रय प्रदान करने के लिए, और इस पैमाने के आयोजन के लिए उपयुक्त शौचालय और धुलाई की सुविधाएं उपलब्ध करवाई है।

उल्कापिंड से बनाया गया था एलियन हथियार

बर्न। वैज्ञानिकों ने अध्ययन के बाद दावा किया है कि उल?कापिंड से एलियन हथियार बनाया गया था। स्विटजरलैंड की झील में मिला यह हथियार करीब 3 हजार साल पुराना है और इसे एलियन हथियार करार दिया जा रहा है। अब यूनिवर्सिटी ऑफ बॉन के शोधकर्ताओं ने इस हथियार की जांच की है और पाया कि इसे एक उल्कापिंड से बनाया गया था। यह हथियार 1.5 लंबा है और इसका वजन केवल 0.102 औंस है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हथियार को स्विटजरलैंड के कांसा युग के पुरास्थल मोरीगेन से पाया गया था। विशेषज्ञों ने अपने टेस्ट में पाया कि यह हथियार अलूमिनम-26 से बना है जो एल्युमिनियम के केमिकल एलिमेंट का एक रेडियो एक्टिव आइसोटोप है। यह धातु हमारे शुरुआती सोलर सिस्टम में बहुतायत में पाया जाता था। शुरू में माना जाता था कि यह आइसोटोप केवल सुपरनोवा या विशाल सितारों के चारों ओर पाया जाता था लेकिन हालिया शोध में यह पता चला है कि सूरज जैसे सितारे अपने जन्म के बाद ही इसे पैदा कर सकते हैं। यह रहस्यमय सामग्री किसी भी तरह से धरती पर स्वाभाविक नहीं है। इसके एक तीर में लगे होने की वजह से वैज्ञानिक इसे समझ नहीं पा रहे थे। इस सामग्री के स्रोत का पता लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने पता लगाया कि यूरोप में उस दौरान केवल तीन उल्कापिंड इस तरह की धातु वाले थे जो यहां गिरे थे। शोधकर्ताओं का कहना है कि एक उल्कापिंड इस्टोनिया में गिरा था और स्विटजरलैंड से दूरी होने के बाद भी यह वही हो सकता है। यह भी माना जाता है कि कामासाइट और टिआनाइट मिनरल धरती पर केवल इसलिए पाए जाते हैं क्योंकि वे अंतरिक्ष से गिरे हैं। इन मिनरल का इस्तेमाल फैशन के लिए किया जाता है। यह हथियार 19वीं सदी में मूल रूप से लेक बिएल में पाया गया था जो पश्चिमी स्विटजरलैंड के जूरा इलाके में स्थित है। इस हथियार को बर्न हिस्ट्री म्यूजियम में रखा गया है।

फंड की कमी के कारण अफगानिस्तान में राहत के कामों में आ रही दिक्कत

जिनेवा । संयुक्त राष्ट्र के मानवतावादियों ने कहा कि फंड की कमी के कारण अफगानिस्तान में 21 मिलियन से अधिक लोगों के राहत में कमी करने को मजबूर होना पड़ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) के हवाले से कहा गया कि साल के आधे से अधिक समय बीतने के साथ अफगानिस्तान में लगभग आधी आबादी के लिए 3.2 बिलियन डॉलर सहायत की अपील की तुलना में 25 प्रतिशत से भी कम राशि मिली है।

पुर्तगाल में विश्व युवा दिवस पर लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन करते हुए पोप फ्रांसिस।

यूक्रेन का महायुद्ध रोकने सऊदी में हो रही बैठक, भारत भी होगा शामिल

रियाद । यूक्रेन का युद्ध रोकने के लिए सऊदी अरब में शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। इसमें भारत भी शामिल होने जा रहा है। जानकारी के अनुसार भारत यूक्रेन की शांति योजना पर शनिवार से तटीय शहर जेद्दा में होने वाले दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेगा। सऊदी अरब की ओर से इस सम्मेलन के लिए चुनिंदा देशों को आमंत्रित किया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि बैठक में भारत की भागीदारी उसकी लंबे समय से चली आ रही स्थिति के अनुरूप होगी। जिसमें बातचीत और कूटनीति से ही यूक्रेन संकट को हल करने का रास्ता खोजा जाना है। सम्मेलन में आमंत्रित देशों में कई यूरोपीय देशों के अलावा अमेरिका, चीन और भारत शामिल हैं। बागची ने कहा कि जेद्दा में यूक्रेन पर सऊदी अरब की ओर से आयोजित एक बैठक में भारत को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत इस कार्यक्रम में भाग लेगा और हमारी भागीदारी हमारी लंबे समय से चली आ रही स्थिति के अनुरूप है कि बातचीत और कूटनीति ही आगे बढ़ने का रास्ता है। हालांकि, बागची ने यह जानकारी साझा नहीं की कि इस सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कौन करेगा। विदेश मंत्रालय ने यह भी नहीं बताया कि भारत की भागीदारी का स्तर क्या होगा। उन्होंने आगे कहा कि भारत की सितंबर में अगले जी20 शिखर सम्मेलन में यूक्रेन से संबंधित कोई बैठक आयोजित करने की कोई योजना नहीं है। मई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिरोशिमा में जी7 शिखर सम्मेलन के मौके पर यूक्रेन राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के साथ व्यक्तिगत रूप से बातचीत की थी।

पाक सरकार ने जनगणना के नतीजों को मंजूरी दी, आम चुनाव में हो सकता है विलंब

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के एक शीर्ष संवैधानिक निकाय ने नई जनगणना के नतीजों को शनिवार को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी, जिससे देश में आम चुनाव में थोड़ा विलंब हो सकता है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की अध्यक्षता में 'काउंसिल ऑफ कॉमन इंटरेस्ट' (सीसीआई) की हुई बैठक में योजना मंत्रालय ने बताया कि पाकिस्तान की आबादी 24.01 करोड़ हो गई है। इस बैठक में कैबिनेट मंत्रियों, प्रांतीय मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। बैठक में शामिल हुए सभी लोगों ने सर्वसम्मति से मार्च और अप्रैल में की गई जनगणना के नतीजों को मंजूरी दे दी।

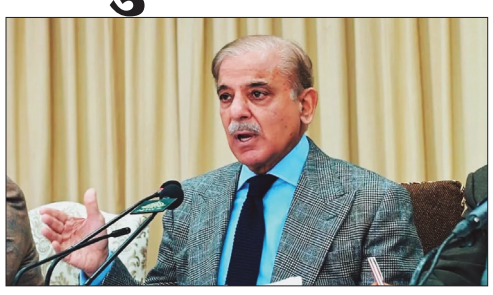

जनगणना कर्मियों ने घर-घर जाकर आंकड़े जुटाए हैं, जबकि लोगों के पास ऑनलाइन माध्यम से भी अपने परिवार का विवरण देने का विकल्प था। इसके बाद, पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) के लिए जरूरी है कि वह चुनाव के लिए पूरे देश में नए चुनावी जिलों को निर्धारित करने के वास्ते परिसीमन की कवायद नए सिरे से शुरू करे, जिससे नेशनल असेम्बली (संसद) का मौजूदा कार्यकाल खत्म होने के बाद 60 या 90 दिन की अवधि में चुनाव कराने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है।ईसीपी के पूर्व सचिव कंवर दिलशाद ने पहले जियो न्यूज को बताया था कि अगर सीसीआई ने 2023 की जनगणना को मंजूरी दे दी, तो चुनाव 2024 में होंगे। उन्होंने कहा था, 'अगर सीसीआई की सिफारिश पर नई डिजिटल जनगणना की गजट अधिसूचना जारी की जाती है।

तो ईसीपी संविधान के अनुच्छेद 51(5) के तहत नए सिरे से परिसीमन करने के लिए कानूनी रूप से बाध्य है।' अगर नेशनल असेम्बली अपना कार्यकाल पूरा करती है तो इसके 60 दिन के अंदर चुनाव कराने होंगे और अगर नेशनल असेम्बली को अपना कार्यकाल पूरा करने से एक दिन पहले भी भंग किया जाता है, तो चुनाव 90 दिनों में कराए जा सकते हैं। मौजूदा नेशनल असेम्बली का कार्यकाल 12 अगस्त को पूरा हो रहा है। सरकार नौ अगस्त को संसद भंग कर देगी, ताकि चुनाव के लिए 90 दिनों का वक्त मिल सके। फिर भी वक्त पर चुनाव कराना मुमकिन नहीं होगा। कानून मंत्री आज़म तरार ने जियो न्यूज को बताया कि सीसीआई ने जनगणना के नतीजों को मंजूरी दे दी और उसके फैसले के बाद, ईसीपी को निर्वाचन क्षेत्रों का परिसीमन करने के लिए कम से कम 140 दिनों की जरूरत है। उन्होंने कहा, 'यह ईसीपी को तय करना है कि चुनाव कब होंगे।' मंत्री ने यह भी कहा कि नेशनल असेम्बली में सीट की संख्या और प्रांतों की हिस्सेदारी वही रहेगी। तरार ने यह भी साफ किया कि चुनाव होने तक कार्यवाहक सरकार देश का शासन चलाएगी और इस पर कोई कानूनी रोक नहीं है।

अफगानिस्तान के हिन्दु कुश में आया जोरदार भूकंप, हिल गए भारत-पाकिस्तान

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान के हिन्दु कुश क्षेत्र में शनिवार रात आए तेज भूकंप के झटकों के कारण भारत व पाकिस्तान भी हिल गए। यह भूकंप 5.8 की तीव्रता से आया, जिसे राजधानी दिल्ली सहित उत्तर भारत के कई हिस्सों में महसूस किए गए। मिली जानकारी के अनुसार अफगानिस्तान के पर्वतीय क्षेत्र में रात नौ बजकर 31 मिनट पर भूकंप आया और दिल्ली तक लोग कांप गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदुकुश क्षेत्र में अक्षांश पर 36.38 डिग्री उत्तर और देशांतर पर 70.77 डिग्री पूर्व में स्थित था। हालांकि अपनी भौगोलिक स्थिति के कारण अफगानिस्तान में अक्सर तेज भूकंप आते रहते हैं जो भारत और पाकिस्तान में भी महसूस किए जाते हैं। आपको बता दें कि अफगानिस्तान एक ऐसे क्षेत्र में स्थित है जहां कई टेक्टोनिक प्लेटें मिलती हैं, जिस वजह से यह भूकंपीय गतिविधियों के प्रति संवेदनशील है। यह हिन्दु कुश पहाड़ी इलाके में स्थित है जो अल्पाइड बेल्ट का हिस्सा है जो पैसिफिक रिंग ऑफ फायर के बाद भूकंपीय रूप से दुनिया का दूसरा सबसे सक्रिय क्षेत्र है। यह बेल्ट पश्चिम में यूरेशियन और अफ्रीकी प्लेटों और पूर्व में इंडो-ऑस्ट्रेलियाई और यूरेशियन प्लेटों से मिलकर बनी है। विशेषज्ञ बताते हैं कि जब इन प्लेटों में गतिविधि होती है, तो ये दबाव और तनाव पैदा करती हैं जिसके परिणामस्वरूप भूकंप आते हैं। यह क्षेत्र इंडियन, यूरेशियन और अरब टेक्टोनिक प्लेटों के बीच की सीमा पर स्थित है। इन प्लेटों के टकराने से भूकंपीय तरंगें पैदा होती हैं, जिसके परिणामस्वरूप भूकंप आते हैं। बता दें कि हिन्दु कुश पर्वत श्रृंखला अफगानिस्तान और पाकिस्तान से होकर गुजरती है। अफगानिस्तान में पिछले साल आए भीषण भूकंप ने भयानक तबाही मचाई थी जिसमें 1 हजार लोगों की मौत और करीब 1500 घायल हुए थे।

ऑस्ट्रिया में भयंकर बाढ़ के हालात, लैंडस्लाइड व भारी बारिश ने मचाया कहर

स्लोवेनिया (एजेंसी)। ऑस्ट्रिया में इन दिनों भयंकर बाढ़ के हालात बने हुए हैं। यहां स्लोवेनिया के उत्तरपूर्वी और मध्य भागों में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है। इस बीच, ऑस्ट्रिया में कारिंथिया की लवैंटल घाटी में सेंट पॉल के निवासियों को भी भारी बारिश और बाढ़ के बीच ऊपरी मंजिलों पर रहने और बेसमेंट और पुलों से बचने के लिए कहा गया। स्लोवेनियाई पर्यावरण एजेंसी ने मेरिबोर और सेल्जे के साथ-साथ राजधानी जुब्लज़ाना में 24 घंटों के भीतर एक महीने की भारी बारिश के बाद रेड अलर्ट जारी किया है। देश के मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक कम से कम अगले 24 घंटों तक भारी बारिश जारी रहेगी। स्लोवेनिया में अधिकारियों ने नदियों के तेजी से बढ़ने के कारण अन्य क्षेत्रों में अधिक बाढ़ की भी चेतावनी दी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्लोवेनिया में बाढ़ प्रभावित शहर मेडवोड के मेयर, नेज्क स्मोल ने कहा कि शुक्रवार की शुरुआत में बाढ़ के बाद, यह पहले ही स्पष्ट हो गया था कि यह एक सामान्य बाढ़ की घटना नहीं होने वाली है। पुलिस प्रवक्ता माजा एडलेसिक ने मीडिया को बताया कि मौसम संबंधी घटनाओं में पिछले 24 घंटों में तीन लोगों की मौत हो गई है।

मीडिया में आई रिपोर्ट के अनुसार, तूफान से प्रभावित क्रांज के आसपास के पहाड़ों में मारे गए लोगों में दो डच नागरिक भी शामिल थे। अधिकारियों ने उफनती सविंजा नदी के किनारे सेल्जे शहर के कुछ हिस्सों में कई हजार लोगों को निकालने का आदेश दिया है। ऐसा तब हुआ जब इसी नदी ने लजुब्नो शहर में घरों को बहा दिया और भूस्खलन का कारण बना। स्लोवेनियाई मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बाढ़ के कारण राजधानी जुब्लज़ाना को देश के उत्तर से जोड़ने वाले राजमार्ग के साथ-साथ कुछ रेलवे लाइनें भी बंद हो गई हैं। इससे अब तक, लगभग 16,000 घरों को बिजली कटौती का सामना करना पड़ा है और कई गांवों से संपर्क टूटने की सूचना मिली है। देश के नागरिक सुरक्षा प्रमुख स्रेको सेस्टन ने कहा कुछ इलाके पूरी तरह से कट गए हैं और उनसे संपर्क करना भी मुश्किल हो गया है। ऑस्ट्रिया में दक्षिणी राज्य कैरिंथिया के कुछ गांवों की सड़कें भी अवरुद्ध हो गईं।

उत्तर कोरिया ने तेज की युद्ध की तैयारियां, रूस को होगी गोला-बारूद की सप्लाई

-किम जोंग उन पहुंचे हथियारों की फैक्ट्री में, तैयारियों का लिया जायजा

प्योंगयांग (एजेंसी)। (ईएमएस)। उत्तर कोरिया युद्ध के दौरान रूस का साथ देने की तैयारी में जुट गया है। इस सिलसिले में नेता किम जोंग उन ने तोपखानों और परमाणु संपन्न बैलिस्टिक मिसाइलों की जानकरी ली है। इसके लिए उन्होंने लॉन्चिंग व्हीकल बनाने वाली फैक्ट्रियों समेत देश के अहम हथियार उत्पादन केंद्रों का दौरा किया है। इस दौरान उन्होंने अपनी सेना को आधुनिक हथियारों से लैस करने के प्रयास और युद्ध से जुड़ी तैयारियां तेज करने का संकल्प लिया है। किम का यह तीन दिवसीय दौरा ऐसे वक्त में हुआ है, जब उत्तर कोरिया के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया इस महीने संयुक्त सैन्य अभ्यास के अगले चरण की शुरुआत के लिए तैयार हैं। उत्तर कोरिया के मिसाइल परीक्षण और अमेरिका-दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों के कारण कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव चरम पर है। हालांकि किम इन सैन्य अभ्यासों को आक्रमण का अभ्यास बताते हैं। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि किम का हथियार फैक्ट्रियों का दौरा रूस के साथ संभावित सैन्य सहयोग से जुड़ा हो सकता है। गौरतलब है कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अन्य देशों से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में सहयोग देने की अपील की है, जिसके तहत उत्तर कोरिया मॉस्को को हथियार और गोला-बारुद की आपूर्ति कर सकता है।

उत्तर कोरिया से मिली आधिकारिक जानकारी के अनुसार, किम ने बड़े कैलिबर की तोपें बनाने वाली एक अज्ञात फैक्ट्री का निरीक्षण करने के दौरान उत्तर कोरिया की युद्ध संबंधी तैयारियों में फैक्ट्री की

प्योंगयोंग में उत्तर कोरियाई शीर्ष नेता किम जोंग उन एक हथियर फैक्टी में निशाना लगाकर देखते हुए।

जिम्मेदारियों और कार्यों पर जोर दिया। किम ने गोलों की गुणवत्ता में सुधार लाने, प्रणोदक ट्यूब के निर्माण की अवधि घटाने और विनिर्माण की गति बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक और तकनीकी कदम उठाने के फैक्ट्री के प्रयासों की सराहना की, लेकिन नए प्रकार के गोले बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। एक अन्य फैक्ट्री में किम ने कहा कि सेना के लिए वाहनों की आपूर्ति बढ़ाना सबसे बड़ी प्राथमिकता है और उन्होंने उत्पादन के लिए एक ठोस नींव तैयार करने के लिए कर्मियों की तारीफ की।

किम ने हथियारों की एक छोटी फैक्ट्री का भी दौरा किया और सैनिकों की ओर से इस्तेमाल किए जा रहे हथियारों को उन्नत बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। अमेरिका और दक्षिण कोरिया से बढ़ते टकराव के मद्देनजर किम रूस और चीन से अपनी साझेदारी मजबूत करने पर कोशिश कर रहे हैं। इसके साथ ही वह अपने आपको कूटनीतिक रूप से अलग-थलग किए जाने की कोशिशों को चुनौती दे रहे हैं और अमेरिका के खिलाफ एक संयुक्त मोर्चे में शामिल होने का प्रयास भी इस दौरान कर रहे हैं।

पुतिन पर भड़के जापान के पीएम किशिदा, याद दिलाया हिरोशिमा का दर्द

-अमेरिका द्वारा गिराए गए परमाणु बम से लाखों निर्दोष लोगों की चली गई थी जान

टोक्यो (एजेंसी)। हिरोशिमा में परमाणु बम हमले की 78वीं बरसी पर जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने रूस पर जमकर भड़ास निकाली है। हिरोशिमा में आयोजित एक कार्यक्रम में किशिदा ने रूस और पूरी दुनिया को याद दिलाया है कि जापान दुनिया का इकलौता देश है जिसने इन हमलों का दर्द झेला है। हालांकि इधर रूस और यूक्रेन का युद्ध अब परमाणु हमले की कगार पर पहुंच चुका है। यही वजह है कि लोग अब हिरोशिमा पर अमेरिका द्वारा गिराए गए बम कांड को याद करके सिंहर उठते हैं। यह खतरा छह अगस्त 1945 को जापान के हिरोशिमा ने पहला परमाणु बम झेला था। अमेरिका की तरफ से हुए इस हमले में करीब 140,000 लोग मारे गए थे। हमले के 78 साल बाद आज दुनिया फिर रूस यूक्रेन जंग की वजह से परमाणु हमले की खतरे की तरफ बढ़ रही है। जापान के पीएम ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के खत्म होने के कुछ दिन पहले जापान के दो शहरों हिरोशिमा और नागासाकी पर गिराए गए परमाणु बमों ने दुनिया को हिलाकर रख दिया था। पीएम किशिदा ने कहा कि जापान, युद्ध में परमाणु बमबारी झेलने वाला इकलौता देश था और इस वजह से परमाणु मुक्त दुनिया की दिशा में प्रयास जारी रखेगा।

पीएम ने कहा कि परमाणु निरस्त्रीकरण और रूस के परमाणु खतरे की वजह से अंतरराष्ट्रीय समुदाय में गहराते मतभेदों की वजह से इस दिशा में रास्ता कठिन होता जा रहा है। किशिदा का कहना था कि इस स्थिति को देखते हुए, परमाणु मुक्त दुनिया को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ाना होगा और यह आज के समय में और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। बता दें कि किशिदा, हिरोशिमा के ही रहने वाले हैं। उनका कहना था कि परमाणु हथियारों से हिरोशिमा और नागासाकी में हुई तबाही कभी दोहराई नहीं जानी चाहिए। किशिदा का बयान ऐसे समय में आया है जब पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने परमाणु हथियारों के प्रयोग पर बड़ा बयान दिया था। मेदवेदेव ने पिछले दिनों कहा था कि अगर यूक्रेन की तरफ से जवाबी हमले जारी रहेंगे तो फिर रूस को परमाणु हथियार का इस्तेमाल करना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

करोड़ों के लेनदेन का आरोप, जांच कमेटी ने मांगा ज्योति मौर्या से संपत्ति का ब्यौरा

प्रयागराज । महिला पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्या से जांच कमेटी ने संपत्ति का ब्यौरा मांगा है। गौरतलब है कि उनपर करोड़ों के लेनदेन का आरोप लगा है, जिसकी जांच चल रही है। जांच में तेजी लाते हुए शासन की तरफ से बैठाई गई तीन सदस्यीय जांच कमेटी ने ज्योति मौर्या को एक और नोटिस भेजकर संपत्ति का ब्यौरा देने को कहा गया है। इसके साथ ही जांच टीम ने प्रयागराज समेत अन्य संपत्तियों का नोटिस में ब्यौरा मांगा ।बिब य ?दि ज्योति मौर्या जांच में सहयोग नहीं करती हैं तो वे मुश्किल में पड़ सकती हैं। यहां गौरतलब है कि कि अगले हफ्ते तीन सदस्यीय जांच टीम के समक्ष ज्योति मौर्या और आलोक का बयान दर्ज होगा। उनके बयान महिला मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में और वीडियोग्राफी के बीच बयान दर्ज कराने की तैयारी की गई है। पति आलोक से भी संबंधित दस्तावेज मांगे गए हैं। पति आलोक मौर्या ने आरोप लगाया है कि पीसीएस अफसर बनने के बाद जयोति मौर्या ने भ्रष्टाचार कर करोड़ों की संपत्ति अर्जित की। आलोक मौर्य ने पद के दुरुपयोग और भ्रष्टाचार की शिकायत में 32 पन्ने की एक डायरी भी सौंपी है। आलोक मौर्या ने पत्नी ज्योति मौर्या पर होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे से अवैध संबंध का भी आरोप लगाया है। वहीं दूसरी तरफ ज्योति मौर्य ने धूमनगंज थाने में पति और ससुराल वालों पर दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया है। आलोक मौर्या ने जो डायरी सौंपी है उसमें लाखों के लेनदेन का ब्यौरा दर्ज है। जांच कमेटी के सदस्य ने लखनऊ के कुछ कार्यालयों से भी दस्तावेज़ जुटाए हैं। 15 दिनों के अंदर कमेटी को मामले की जांच पूरी करना है। जांच में दोषी पाए जाने पर ज्योति मौर्य की बर्खास्तगी भी हो सकती है। हालांकि जांच कमेटी की संस्तुति के बाद शासन ही बर्खास्तगी कर सकता है।

मुंबई की एक लोकल ट्रेन में सीरियल बम ब्लास्ट की धमकी भरा फोन, दो घंटे में आरोपी गिरफ्तार

मुंबई, । मुंबई की एक लोकल ट्रेन में सीरियल बम ब्लास्ट की धमकी भरा फोन करने वाले शख्स को पुलिस ने महज दो घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया. दरअसल मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम को रविवार को एक धमकी भरा फोन आया. पुलिस को कॉल करने वाले शख्स ने बताया कि मुंबई की एक लोकल ट्रेन में सीरियल बम ब्लास्ट होने वाले हैं. फोन पर शख्स ने दावा किया कि ट्रेन में बम हैं. इसके बाद कंट्रोल रूम में मौजूद पुलिस अधिकारियों ने संबंधित पुलिस स्टेशन को सूचना दी. फिर पुलिस ने मोबाइल नंबर के आधार पर आरोपी के मोबाइल लोकेशन को खंगाला. पुलिस को पता चला कि आरोपी का नाम अशोक मुखिया है और वह मुंबई के जुहू में देखा गया है. इसके बाद पुलिस की एक टीम जुहू गई और आरोपी अशोक को हिरासत में लिया. आरोपी मूल रूप से बिहार के सीतामढ़ी जिले का रहने वाला है. जुहू पुलिस ने उसे विलेपार्ले के नेहरू नगर इलाके से गिरफ्तार किया है. अशोक मुखिया मुंबई के एक होटल में हेल्पर के तौर पर काम करता हैं. पुलिस के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ बिहार में भी मामला दर्ज है और आरोपी अशोक ने शराब के नशे में कंट्रोल रूम में फोन किया था. हालांकि, यह कोई पहला मामला नहीं है. अभी हाल ही में हरियाणा की गुरुग्राम पुलिस को कुछ ऐसा ही धमकी भरा फोन आया था. तब कॉल करने वाले शख्स ने धमकी दी थी कि दिल्ली और मुंबई के डोमेस्टिक एयरपोर्ट और इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर बड़ा बम धमाका होने वाला है. इसके बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई थीं. गुरुग्राम पुलिस ने इस धमकी भरे कॉल की जानकारी मुंबई पुलिस को दी थी.

चोरी के शक में बच्चों के प्राइवेट पार्ट में डाली हरी मिर्ची, पिलाया पेशाब

सिद्धार्थनगर । उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले के पथरा थाना क्षेत्र में दो बच्चों के साथ दरिंदगी का हैरतअंगेज मामला सामने आया है। जानकारी के मुताबिक जिले के पथरा थाना क्षेत्र स्थित एक मुर्गी फार्म में दो बच्चे घुसे थे, जिन्हें कुछ लोगों ने पकड़ लिया। इसके बाद उन दोनों बच्चों के साथ दरिंदगी की हदें पार करने तक की सजा दी गई। दोनों बच्चों को पेट्रोल के इंजेक्शन लगाया गया, फिर पेशाब पिलाया, इतने से मन नहीं भरा तो एक बच्चे के गुदाद्वार में मिर्ची डाल दी गई। इतना ही नहीं इन बच्चों के साथ क्रूरता करते हुए उसका वीडियो बनाया और फिर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। इन दोनों बच्चों में एक बच्चा महज 6 से 7 साल का है। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने 6 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार हाल ही में मुर्गी फॉर्म से 2000 रुपए गायब हो गए थे। शक के आधार पर उन लोगों ने मानसिक रूप से कमजोर दो नाबालिगों को चाय पिलाने के बहाने अपने दुकान पर बुलाया फिर अपने अन्य सहयोगी के साथ ऐसी हैवानियत की जिससे लोगों की रूह कांप गई। इसके बाद आठों लड़कों ने बारी-बारी एक बोतल में पेशाब कर इन दोनों नाबालिगों को जबरन पिलाया। दोनों के हाथ-पैर बांध दिए और निर्वस्त्र कर शरीर में पेट्रोल भरकर इंजेक्शन लगाया। दोनों के कपड़े उतरवाकर नाजुक अंगों में हरी मिर्च तोड़कर डाल दी और पूरी वारदात का वीडियो भी बना लिया। बच्चों की मां और पिता ने पुलिस को तहरीर दी जिनमें पुलिस ने 8 नामजद आरोपियों पर कुकर्म, पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया। इन आरोपियों में उमेद, मोहम्मद आकिब, अब्दुल सऊद, रफीउल्लाह, शेरअली और दीपक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्य आरोपी सऊद और शप्पू अभी भी फरार है। सभी आरोपी पथरा थाने के निवासी बताए जा रहे। पीड़ित के पिता ने बच्चे की आपबीती मीडिया को बताते हुए कहा कि यह अत्याचार की हद है। इस संदर्भ में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 6 लोगों को हिरासत में लिया और आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

बिना तलाक दिए अंजू ने की दूसरी शादी, पति अरविंद ने दर्ज कराई रिपोर्ट

भिवाड़ी । अपने दो बच्चों और पति को छोड़कर पाकिस्तान जाकर दूसरी शादी करने वाली अंजू के खिलाफ उसके पति ने एफआईआर दर्ज कराई है। रिपोर्ट में लिखा गया है कि अपने प्रेमी नसरुल्ला से मिलने अलवर के भिवाड़ी से पाकिस्तान गई अंजू ने दूसरी शादी कर ली है। जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। भिवाड़ी के फूलबाग थाने में दर्ज मामला दर्ज कराया गया है। धारा 366, 494, 500, 506 आईपीसी, 66 आईटी एक्ट में मामला दर्ज किया गया है। अरविंद ने शादीशुदा होने के बावजूद दूसरी शादी कर धोखा देने और पाकिस्तान से वाट्सएप कॉल पर धमकी देने का मामला दर्ज कराया है। मीडिया में आ रही खबरों के अनुसार अंजू नें पाकिस्तान में धर्म परिवर्तन करके अपना नाम फातिमा रखकर नसरुल्लाह से निकाह कर लिया। अब बताया जा रहा है कि अंजू का वीजा दो माह और बढ़ गया है। इधर, सहायक पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि अरविंद ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी अंजू पुत्री ओ.पी. थॉमस ईसाई, हरचदपुर, भिवाड़ी जिला अलवर के साथ ईसाई धर्म एवं रीति रिवाज के अनुसार बिना किसी दान-दहेज केभिवाड़ी चर्च में 3 जनवरी 2007 को सम्पन्न हुई थी, जिसके बाद अंजू बतौर पति-पत्नि भिवाडी जिला अलवर में साथ-साथ रहने लगे।

कोलकाता पुलिस ने अवैध बच्चा बेचने वाले रैकेट का भंडाफोड़ किया

कोलकाता । कोलकाता पुलिस ने कथित तौर पर शहर में एक अवैध बच्चा बेचने वाले रैकेट का भंडाफोड़ किया है, जिसमें लगभग 100 सरोगेट मां और सैकड़ों एजेंटों और उप-एजेंटों का नेटवर्क शामिल है। इस रैकेट के पीछे की प्रमुख मास्टरमाइंड में से एक ममता पात्रा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। पुलिस इस रैकेट में एक पॉपुलर इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) केंद्र की संलिप्तता की भी पहचान करने में सफल रही है। कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके आनंदपुर में स्थित उक्त आईवीएफ सेंटर पर पहले ही छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया जा चुका है। पुलिस को इस रैकेट के बारे में एक मामले की जांच के दौरान पता चला, जहां एक मां रूपाली मंडल को 1 अगस्त को अपने बच्चे को एक अन्य महिला कल्याणी गुहा को बेचने की कोशिश के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मंडल और गुहा दोनों को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। बाद में जब इसकी और गहराई से जांच की गई तो इसके पीछे के प्रमुख रैकेट की पहचान की गई। एक बार जब सामान्य प्रक्रिया में बच्चे को जन्म देने में असमर्थ कोई जोड़ा (दंपति) आईवीएफ केंद्र से संपर्क करता था, तो उसके कर्मचारी ममता पात्रा से संपर्क करते थे, जो उचित समय के बाद जोड़े को बच्चा देने का वादा करती थी।

लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा मजबूती से मैदान में उतरेगी: खन्ना

– सेब उत्पादकों को असुविधा का खामियाजा कांग्रेस को लोकसभा चुनावों में भुगतना पड़ेगा

शिमला (एजेंसी)। भाजपा प्रभारी अविनाश राय खन्ना ने दिल्ली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा से मुलाकात की, यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। इस बैठक के दौरान कई संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की गई। अविनाश राय खन्ना ने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा मजबूती से मैदान में उतरेगी और इसके लिए ठोस नीति बनाई जा रही है। आने वाले लोकसभा चुनाव में 2019 की गाथा फिर लिखी जाएगी, जब चारों सीटों पर भाजपा एक बार फिर ऐतिहासिक जीत दर्ज की करेगी। उन्होंने कहाकि भाजपा ने पूरे प्रदेश भर में एक विशेष मुहिम शुरू की है, जिसके अंतर्गत सभी प्रदेश प्रभारी, सह प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष, प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष प्रत्येक बूथ स्तर के अध्यक्षों से व्यक्तिगत संपर्क करेंगे और उनकी कुशलक्षेम जानेंगे। यह नीति संगठन को मजबूत करने के लिए उत्तम साबित होगी। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित राजनीतिक दल है और कार्यकर्ता ही भाजपा की ताकत है। सभी नेता और कार्यकर्ता मिलकर 2024 के लक्ष्य को ध्यानार्थ करते हुए आगे बढ़ेंगे।

हिमाचल प्रदेश में वर्तमान कांग्रेस की लोकप्रियता घटती दिखाई दे रही है। आपदा को संभालने में कांग्रेस सरकार असफल साबित हुई है। पहली बार हिमाचल प्रदेश में हुआ है कि सेब उत्पादकों को इतनी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। सड़कें ठीक हो नहीं पाई और सेब मंडी तक पहुंच नहीं रहे हैं। इसका बागबानों को बहुत बड़ा नुकसान हुआ है, जिसका लोकसभा चुनावों में कांग्रेस पार्टी को खामियाजा भुगतना पड़ेगा। जिस प्रकार केंद्र ने बढ़-चढ़कर हिमाचल प्रदेश को इस आपदा की घड़ी में संभाला है उसके लिए हम केंद्र नेतृत्व का धन्यवाद भी करते हैं। जनता को विश्वास हो गया है कि बिना पक्षपात के केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश का साथ दिया है। यह ही नहीं अनेकों योजनाओं में भी केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश को योजनाओं के लिए प्रदान करने वाली राशि में कमी नहीं आने दी है। भाजपा जो कहती है वो करके दिखाती है।

दिग्विजय का सवाल, कठेरिया पर फैसला कब करेंगे लोकसभा अध्यक्ष

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने सवाल किया है कि भाजपा सांसद कठेरिया को लोकसभा अध्यक्ष कब निलंबित करेंगे। उन्होंने कहा कि इटावा से भाजपा सांसद रामशंकर कठेरिया को आगरा की एक एमपी/ एमएलए अदालत ने साल 2011 में एक निजी बिजली कंपनी के कर्मचारी के साथ मारपीट करने के मामले में दो साल की सजा सुनाई। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए दिग्विजय सिंह ने कहा कि जब सांसद रामशंकर कठेरिया को सजा सुनाई गई है तो उनकी सदस्यता भी जाएगी ही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को 24 घंटे के भीतर अयोग्य घोषित कर दिया गया था, जब सूरत की एक अदालत द्वारा मानहानि के एक मामले में दोषी ठहराया गया था। अब देखना यह होगा कि कठेरिया को सांसद की सदस्यता से अयोग्य किया जाता है या नहीं। दिग्विजय सिंह ने कहा कि अब देखते हैं लोकसभा अध्यक्ष कितनी निष्पक्षता से काम करते हैं। बता दें कि कठेरिया के खिलाफ 2011 में टॉरेंट पावर कंपनी के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ मारपीट एवं बलवा करने का मामला दर्ज किया गया था। यूपी में उस समय मायावती के नेतृत्व में बहुजन समाज पार्टी की सरकार थी। सिंह ने कहा कि यह भी देखा जाएगा कि मोदी उपनाम मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाए जाने के बाद उनकी सदस्यता कब बहाल होती है।

जयंत पाटिल जा सकते हैं अजित के खेमे में, मंत्री बनने की अटकलें तेज

–शरद पवार को एक और झटका देने की तैयारी, फडणवीस के साथ हो चुकी है बातचीत

मुंबई (एजेंसी)। शरद पवार गुट को एक बार फिर झटका देने की तैयारी हो रही है। इस बार जयंत पाटिल के अजित पवार के साथ जाने की अटकलें तेज हो रही हैं। बताया जा रहा है कि उनको मंत्री पद भी ऑफर हो सकता है। बता दें कि अजित पवार के सत्तारूढ़ भाजपा-शिंदे सेना सरकार में शामिल होने के लगभग एक महीने बाद, अब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के विधायक दल के नेता और राज्य इकाई के प्रमुख जयंत पाटिल के भी शरद पावर का साथ छोड़ने की चर्चाएं आम हो गई हैं। सूत्रों ने कहा कि जयंत पाटिल ने अजित पवार और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ संभावित कदम के बारे में बैठकें की हैं। हालांकि, पाटिल ने इस बारे में कहा कि ऐसा कोई कदम फिलहाल नहीं उठाएंगे। अजित पवार ने जब से एनसीपी में विद्रोह का नेतृत्व किया है और उनके समूह ने पार्टी के नाम के साथ-साथ चुनाव चिन्ह पर दावा ठोका है, तब से विधायक दल पर पूर्ण नियंत्रण हासिल करने के लिए विधायक दल के नेता पद को महत्व मिल गया है। गौरतलब है कि जयंत पाटिल पहले ही महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर राहुल नार्वेकर को पत्र लिखकर अजित पवार और एनसीपी के 8 अन्य बागी विधायकों को अयोग्य ठहराने की मांग कर चुके हैं।

एक कारण यह भी है कि अयोग्य ठहराए जाने का खतरा सिर पर मंडराने और अजित समूह की वास्तविक विधायी ताकत पर कोई स्पष्टता नहीं होने के कारण, एनसीपी के अधिकांश विधायकों ने एनसीपी के किसी भी गुट के प्रति वफादारी दिखाने से बचने का विकल्प चुना है। यही वजह है कि पूरे मानसून सत्र के दौरान सदन में उपस्थित नहीं होने का फैसला किया है। बताया जा रहा है कि भाजपा-शिंदे सेना गठबंधन की सरकार में अगर जयंत पाटिल शामिल होते हैं, तो यह न केवल इसकी पुष्टि करने के लिए महत्वपूर्ण होगा कि अधिकांश एनसीपी विधायक अजित पवार का समर्थन करते हैं, बल्कि पार्टी पर दावा उनका दावा भी मजबूत होगा।

हालांकि राकांपा पर अजित पवार की पकड़ सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों के अनुसार, जयंत पाटिल को अजित पवार और देवेंद्र फडणवीस के साथ बैठक के लिए बुलाया गया था, जहां उन्हें आगामी कैबिनेट विस्तार में मंत्री पद की पेशकश की गई।

उस दौरान विधानसभा के भीतर हल्के-फुल्के अंदाज में अजित पवार ने जयंत पाटिल के अपने साथ आने का संकेत भी दिया था। उन्होंने कहा था कि वह और देवेंद्र फडणवीस उनका इंतजार कर रहे हैं। अजित पवार को समर्थन देने का वादा करने वाले वरिष्ठ नेता सुनील तटकरे के साथ और बाद में सार्वजनिक तौर पर अजित पवार के साथ जयंत पाटिल की बातचीत ने सबका ध्यान खींचा है।

लालू-राहुल की मुलाकात का मतलब जेडीयू को किनारे करना : सुशील मोदी

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भाजपा के राज्यसभा सदस्य सुशील मोदी ने कहा है कि लालू प्रसाद यादव और राहुल गांधी की मुलाकात का मतलब तो यही है कि जेडीयू को किनारे कर दिया गया है। उन्होंने राहुल गांधी की दोष मुक्ति पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। गौरतलब है कि दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव की भेंट हुई। इस मुलाकात को बिहार में जनता दल यूनाइटेड (जदयू) को किनारे लगाने का संकेत बताया जा रहा है। इस पर सुशील मोदी ने कहा कि मोदी सरनेम वाले सभी व्यक्तियों को चोर बताने वाली गैरजिम्मेदाराना टिप्पणी के कारण राहुल गांधी की सजा पर सर्वोच्च न्यायालय ने सिर्फ रोक लगाई है, उन्हें दोषमुक्त नहीं किया है। इससे उन्हें मिली तात्कालिक राहत पर लालू प्रसाद सबसे ज्यादा खुश और नीतीश कुमार सबसे ज्यादा दुखी होंगे। उन्होंने कहा कि कोर्ट के फैसले के बाद राहुल गांधी ने सबसे पहले सिर्फ लालू प्रसाद से भेंट की और जदयू को दरकिनार रखा।

भाजपा सांसद ने कहा कि उत्साहित कांग्रेस अब राहुल गांधी को प्रधानमंत्री पद के अघोषित उम्मीदवार के रूप में खुलकर प्रोजेक्ट करेगी। उसके बढ़ते प्रभाव वाले गठबंधन में नीतीश कुमार, शरद पवार और ममता बनर्जी को ज्यादा तरजीह क्यों मिलेगी। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु बैठक में ही जब कांग्रेस ने नीतीश कुमार की उपेक्षा शुरू कर दी थी, तब मुम्बई बैठक में विपक्षी गठबंधन का संयोजक पद ऐसे व्यक्ति को मिलना मुश्किल है, जो स्वयं दूल्हा बनना चाहता हो। वहीं मोदी ने कहा कि राहुल गांधी और लालू प्रसाद मिलकर जब संसदीय चुनाव के लिए टिकट का बंटवारा करेंगे, तब जदयू को किनारे ही लगाएंगे। कानून की नजर में राहुल गांधी अब भी मानहानि के मामले में सजायाफ्ता हैं, यह अलग बात है कि सजा पर रोक लगने से फिलहाल उनकी संसद-सदस्यता बहाल हो सकती है।

महबूबा के नजरबंदी के दावे के बाद चिदंबरम ने साधा केंद्र पर निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू एवं कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती के इस दावे के बाद कि उन्हें घर में नजरबंद रखा गया है, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी. चिदंबरम ने रविवार को केंद्र की भाजपा नीत सरकार पर तंज किया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर की सरकार और एलजी उस शांति का जश्न मना रहे हैं, जो अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद राज्य (अब यूटी) में आई है। मैं पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति जॉन एफ कैनेडी को उद्धृत करना चाहता हूं, जिन्होंने कब्र की शांति और गुलाम की चुप्पी के खिलाफ चेतावनी दी थी। चिदंबरम ने एक ट्वीट में सरकार पर हमला करते हुए जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने की चौथी वर्षगांठ का जिक्र किया। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अगर जम्मू-कश्मीर में इतनी शांति है, तो सरकार ने महबूबा मुफ्ती को घर में नजरबंद क्यों कर दिया है और पीडीपी व एनसी (नेशनल कॉन्फ्रेंस) के कार्यालयों को सील क्यों कर दिया है? पूरे भारत में स्वतंत्रता का दमन किया गया है, लेकिन जम्मू-कश्मीर में यह सबसे ज्यादा है।

ट्वीट्स की एक श्रृंखला में मुफ्ती ने लिखा, मुझे आज अन्य वरिष्ठ पीडीपी नेताओं के साथ घर में नजरबंद कर दिया गया है। मेरी पार्टी के कई लोगों को पुलिस स्टेशनों में अवैध रूप से हिरासत में लिया गया है। सरकार पर हमला करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट में सामान्य स्थिति के बारे में भारत सरकार के झूठे दावे उनके कार्यों से उजागर हो गए हैं। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के चौथे वर्ष के पूरा होने पर, जम्मू-कश्मीर के एलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि 5 अगस्त, 2019 को, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भेदभावपूर्ण प्रणाली को समाप्त कर दिया था, जो अलगाववाद और भाई-भतीजावाद को बढ़ावा देती थी। उन्होंने शांति, सम्मान व सुरक्षा की शुरुआत की।

भारत रूस-यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के पक्ष में : डोभाल

– करीब 40 देशों के शीर्ष अधिकारियों ने सऊदी अरब के जेद्दा में बातचीत की

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने कहा है कि जब से दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू हुआ है, तब से भारत शीर्ष स्तर पर नियमित आधार पर रूस और यूक्रेन के साथ जुड़ा हुआ है। डोभाल ने जेद्दा में एनएसए के शिखर सम्मेलन के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जिसकी मेजबानी यूक्रेन-रूस संघर्ष पर चर्चा के लिए सऊदी अरब ने की है। भारत, अमेरिका और चीन समेत करीब 40 देशों के शीर्ष अधिकारियों ने शनिवार को सऊदी अरब के जेद्दा में बातचीत की। उम्मीद की जा रही है कि बातचीत में युद्ध की शांतिपूर्ण परिणति सुनिश्चित करने के लिए कुछ सिद्धांतों पर सहमति बन सकती है। इस बीच रिपोर्टों में डोभाल को शिखर सम्मेलन में यह कहते हुए उद्धृत किया गया कि भारत संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों पर बनी वैश्विक व्यवस्था का समर्थन करता है। रिपोर्ट में उनके हवाले से कहा गया है कि उन्होंने सभी देशों को एक-दूसरे की क्षेत्रीय संप्रभुता का सम्मान करने पर जोर दिया और कहा कि दोनों देशों के बीच चल रहे संघर्ष का शांतिपूर्ण अंत खोजने के लिए शांति बनाए रखने के प्रयास किए जाने चाहिए।

एनएसए ने यह भी कहा कि संपूर्ण दक्षिणी गोलार्ध संघर्ष के परिणामों को भुगत रहा है, हालांकि भारत यूक्रेन को मानवीय सहायता प्रदान कर रहा है, क्योंकि वह हमेशा बातचीत और कूटनीति को बढ़ावा देने में विश्वास करता है। डोभाल ने कहा कि एनएसए की बैठक में दोहरी चुनौती है, स्थिति का समाधान और संघर्ष के परिणामों को नरम करना और दोनों मोर्चों पर प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए बहुत अधिक जमीनी काम की आवश्यकता होगी, क्योंकि दोनों देशों को शांतिपूर्ण समाधान प्रदान करने के प्रयासों के बावजूद, कोई भी परिणाम नहीं निकला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि डोभाल ने कहा कि जेद्दा बैठक में ऐसे समाधान की तलाश की जानी चाहिए, जो सभी हितधारकों को स्वीकार्य हो।

जहां रहे 19 साल फिर वहीं लौटेंगे राहुल गांधी या इस बार मिलेगा नया बंगला

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राहुल गांधी को लोकसभा की सदस्यता वापस मिलने वाली है। अब जब उनकी संसद सदस्यता वापस मिल जाएगी, वो एक बार फिर से सांसद बन जाएंगे तो इसके आगे का बड़ा सवाल सबसे जेहन में है। सवाल यह है कि क्या 12 तुगलक लेन का वो सरकारी बंगला जहां कांग्रेस नेता लगातार 19 साल रहे। वही बंगला उनको फिर से मिल पाएगा? मोदी सरनेम मामले में सूरत कोर्ट से 2 साल की सजा मिलने के बाद 22 अप्रैल 2023 को राहुल गांधी को ये बंगला खाली करना पड़ा था। उनके बंगला छोड़ने के बाद से वो बंगला खाली है, अभी तक किसी को नहीं दिया गया है। इसे समझने के लिए हमें दिल्ली में सांसदों और मंत्रियों को मिलने वाले बंगले पर हमने थोड़ा रिसर्च किया। राहुल गांधी 2004 में पहली बार अमेठी से सांसद बने। तब तक वो अपनी मां सोनिया गांधी के साथ 10 जनपथ वाले बंगले में रहते थे। सांसद बनने पर 2005 में उन्हें पहली बार 12 तुगलक लेन वाला बंगला अलॉट किया गया था। ये दिल्ली के लुटियंस जोन में स्थित टाइप-8 बंगला है, जिसे सर्वोच्च श्रेणी का माना जाता है। इस बंगले में 5 बेडरूम, 1 हॉल, 1 डायनिंग रूम, 1 स्टडी रूम और सर्वेंट क्वार्टर हैं। इस कैटेगरी के बंगले आमतौर पर कैबिनेट मंत्रियों और सुप्रीम कोर्ट के जजों को दिए जाते हैं। राहुल गांधी 4 बार से सांसद हैं, फिलहाल उनके पास कोई बड़ा पद नहीं है, ना वो कभी मंत्री रहे, ना ऐसे किसी बड़े पद पर रहे। ऐसे में ये पूरी तरह लोकसभा हाउसिंग कमेटी पर निर्भर करता है कि वो ये बंगला उन्हें अलॉट करती है या नहीं। हालांकि लोकसभा में नेता विपक्ष अधीर रंजन चौधरी, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को जल्दी से जल्दी सरकारी बंगला आवंटित करने की मांग कर चुके हैं। लोकसभा सदस्यों को दिल्ली में बंगले का आवंटन डायरेक्टरेट ऑफ स्टेट्स करता है। जो मिनिस्ट्री ऑफ हाउसिंग एंड अर्बन अफेयर्स के तहत आता है। डायरेक्टरेट ऑफ स्टेट्स के अंदर भी ये काम जनरल पूल रेसिडेंशियल अकॉमोडेशन यानी जीपीआरए एक्ट के तहत किया जाता है। लोकसभा और राज्यसभा को मिलाकर एक समिति है, जो सदस्यों को बंगले का आवंटन के लिए सिफारिश करती है। इसी हाउसिंग कमेटी की सिफारिश पर सांसदों को बंगाल आंवटित होता है। माना जा रहा है कि अब जब राहुल गांधी आधिकारिक रूप से फिर से सांसद बन जाएंगे तो उन्हें बंगला मिल जाएगा, लेकिन जरूरी नहीं, ये वही बंगला हो जहां उन्होंने अपने जीवन के 19 साल गुजारे थे। सांसदी गंवाने के बाद राहुल को ये बंगला सरेंडर करना पड़ा, उसके बाद वो वायनाड में कांग्रेस अधिवेशन में और हरियाणा में महिला किसानों से बातचीत में ये बात कह चुके हैं कि उनका घर छीन लिया गया है, लेकिन अब जब वो सांसद बनने वाले हैं तो फिर से उन्हें सरकारी घर मिल जाएगा। हालांकि सांसद तो राहुल गांधी बन जाएंगे, लेकिन ये कितनी जल्दी होगा अब इस पर सबकी नजर है। क्योंकि 8 अगस्त से यानी मंगलवार से लोकसभा में अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा होनी है। कांग्रेस की कोशिश है कि राहुल इस अविश्वास प्रस्ताव से पहले संसद पहुंच जाएं और अविश्वास प्रस्ताव पर होने वाली बहस में हिस्सा लें। इसलिए जैसे ही सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया, लोकसभा में नेता विपक्ष अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से राहुल की संसद सदस्यता जल्दी से जल्दी बहाल करने की मांग की। उन्होंने इसके लिए आधिकारिक चिट्ठी भी लिख दी। लेकिन अब तक कोई प्रगति नहीं हो सकी है, इस बात से कांग्रेस के अधीर रंजन चौधरी बेहद गुस्से में हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

भुज सायबर सेल ने जुए के अड्डे पर रेड कर पुलिस कांस्टेबल समेत 9 जुआरियों को धरदबोचा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

पाटन,स्थानीय पुलिस और एलसीबी को पता नहीं चला और भुज सायबर सेल की टीम ने पाटन जिले के वांसा गांव में रेड कर 9 जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े आरोपियों में एक पुलिस कांस्टेबल भी शामिल है। इस घटना से पुलिस बेडे में हड़कम्प मच गया है। जानकारी के मुताबिक पाटण जिले की हारिज तहसील के विष्णु ठाकोर के खेत में तीन पत्ती का जुआ खेला जा रहा था। उस वक्त अचानक भुज सायबर सेल की टीम ने जुए के अड्डे पर छापा मारा। सायबर सेल की टीम ने घटनास्थल से 9 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही नकद समेत रु 7 लाख का माल-सामान भी बरामद किया।

9 आरोपियों में महेश परमार नामक एक पुलिस कांस्टेबल है, जो पाटण पुलिस हेडक्वार्टर में सेवारत है। पुलिस के हाथों पुलिस कांस्टेबल के पकड़े जाने से पुलिस बेड़े में हड़कम्प मच गया है।

चार परिवारों को गांव से निकाला, पीड़ितों की न्याय ना मिलने पर कलेक्ट्रेट में झुग्गी बनाकर रहने की चेतावनी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

बनासकांठा,उत्तरी गुजरात में चार भाइयों के परिवारों को गांव से बाहर निकाल दिया गया है। महिला से छेड़छाड़ के आरोप में बाहर निकाले गए परिवारों को गांव में ना घुसने की धमकी दी गई है।घटना बनासकांठा जिले की पालनपुर तहसील के रतनपुर गांव की है। जहां महिला के साथ छेड़छाड़ के आरोप में चार भाइयों के परिवार को गांव से बाहर निकाल दिया गया। पिछले तीन-चार महीने से चारों भाई अहमदाबाद, डीसा या अन्य जगहों पर अपने परिवारों के साथ रहने को मजबूर हैं। पीड़ित परिवार ने तहसील पुलिस और डीएसपी कचहरी में पुलिस सुरक्षा की पेशकश की थी। लेकिन अब तक पुलिस सुरक्षा नहीं मिलने से पीड़ित परिवार कलेक्टर के समक्ष पेशकश करने पहुंचे। पीड़ित परिवारों ने चेतावनी दी है कि अगर उन्हें न्याय नहीं मिला तो वह कलेक्ट्रेट परिसर में ही झुग्गी बनाकर रहेंगे।

संतान का मुंह देखने से पहले अनंत यात्रा पर निकले महिपालसिंह,शुक्रवार को कश्मीर में हुए थे शहीद

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,शुक्रवार को कश्मीर के कुलगाम में आतंकियों से मुकाबला करते हुए शहीद हुए महिपालसिंह वाला पार्थिव देह पंचतत्व में विलीन हो गया। शहीद महिपालसिंह की अंतिम यात्रा में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए और नम आंखों से उन्हें श्रद्धाजंलि दी। बता दें कि शुक्रवार को कश्मीर के कुलगाम में आतंकवादियों से मुकाबला करते हुए सेना के तीन जवान शहीद हो गए थे। जिसमें महिपालसिंह वाला भी शामिल थे, जो पूर्वी अहमदाबाद के विराटनगर क्षेत्र के रहनेवाले थे। महिपालसिंह का पार्थिव देह आज सुबह विशेष विमान से अहमदाबाद एयरपोर्ट और वहां से उनके निवासस्थान पर लाया गया। महिपालसिंह का पार्थिव देह उनके निवास पर पहुंचते ही वंदे मातरम, भारत माता की जय से वातावरण गूंज उठा। विराटनगर रोड के दोनों ओर बड़ी संख्या में लोग शहीद महिपालसिंह को श्रद्धाजंलि देने जमा हुए थे। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और राज्यमंत्री जगदीश पंचाल ने भी महिपालसिंह को श्रद्धाजंलि अर्पण की। इसके अलावा सांसद हसमुख पटेल, विधायक पायल कुकराणी, अहमदाबाद शहर भाजपा प्रमुख, कांग्रेस नेता मनीष दोशी और विधायक शैलेष परमार समेत नेताओं ने शहीद महिपालसिंह को श्रद्धासुमन समर्पित किए। 15 अगस्त महिपालसिंह का जन्म दिन है और वह बचपन से सेना में शामिल होना चाहते थे। तीन साल पहले ही उनकी शादी हुई थी और उनकी पत्नी अभी गर्भवती है।

लेकिन संतान का मुंह देखने से पहले ही महिपालसिंह वाला अनंत यात्रा पर निकल गए। मातृभूमि की रक्षा करते हुए महिपालसिंह ने अपने प्राणों की आहूति दे दी। दरअसल 4 अगस्त को कश्मीर के कुलगाम जिले के हलान के पहाड़ी क्षेत्रों में आतंकियों की मौजूदगी के बारे में जानकारी मिलने के बाद सेना ने ऑपरेशन शुरू किया गया था।

उस दौरान आतंकियों ने सेना के जवानों पर गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकियों से मुकाबला करते हुए महिपालसिंह वाला समेत तीन जवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। अस्पताल में उपचार के दौरान तीनों जवानों का निधन हो गया। आज रविवार को महिपालसिंह का पार्थिव देह अहमदाबाद स्थित उनके निवास पर लाया गया। जहां हजारों लोगों ने उन्हें श्रद्धाजंलि दी और बाद में पूरे सैनिक सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

कामरेज में मकान ढहने से नाबालिग लड़की की मौत,6 वर्षीय बच्चा उपचाराधीन

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,कामरेज के परब गांव में सुबह अचानक मकान ढहने से परिवार उसके मलबे में दब गया। इस घटना में 12 साल की एक नाबालिग की मौत हो गई। जबकि 6 वर्षीय बच्चे का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक सूरत जिले की कामरेज तहसील के परब गांव में सुबह के वक्त एक मकान अचानक ढह गया। मकान ढहने के बाद अफरातफरी मच गई। घटनास्थल पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने मलबे में दबे परिवार को बाहर निकालने की कोशिश शुरू कर दी। हांलाकि इस घटना में गंभीर चोट लगने की वजह से 12 साल की लड़की की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल 6 वर्षीय बच्चे को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज चल रहा है।

कामरेज में कार ने बाइक को उड़ाया, एक की घटनास्थल पर मौत,दो लोगों की हालत गंभीर

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,सूरत के गायपगला गांव के निकट एक कार ने बाइक सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में बाइक पर सवार एक शख्स की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराय गया है। जानकारी के मुताबिक सूरत जिले की कामरेज तहसील के गायपगला गांव के निकट एक बेलगाम कार ने मोटर साइकिल को टक्कर मार दी और उसके बाद कार रोड पर बनी गटर में उतर गई। कार की चपेट में आने से बाइक पर सवाल एक शख्स की मौत हो गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद आसपास के लोग जमा हो गए और एम्ब्युलैंस 108 को सूचना दे दी। एम्ब्युलैंस 108 के जरिए घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। खबर पाते ही पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज मामले की जांच शुरू की। हादसे में मारे गए शख्स और दोनों घायल शख्स सूरत जिले की मांडवी तहसील के गोदावळी गांव के निवासी होने का पता चला है।

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं हमें लिखे या बताएँ और समस्याएं का हल संबंधित विभाग से मिलेगा

मोबाईल:-9879141480

या फोटा,वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार

भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों और अन्य शहर,ग्राम में पत्रकारों की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-krantisamay@gmail.com